विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 199 | गौतमबुद्धनगर, सोमवार 17 जून 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रुपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

चोरों को संरक्षण देने में चौकी इंचार्ज समेत चार

P- 4

सड़क हादसा : गंगा स्नान कर लौट रही 2 महिलाओं समेत 3 की मौत

P- 5

अमेरिका चाहता है कि ताइवान पर हमला करे चीन : शी जिनपिंग

P- 6

संसद परिसर में लगी महापुरुषों की प्रतिमाएं हटाने का मुद्दा उठाएगा

हैप्पी मॉर्निंग

पप्पू- यार कल शाम को भाभी तुझे इतना क्यों मार रही थी? गप्पू- क्या बताऊं सरकारी नौकरी करते करते मेरा भी दिमाग खराब हो गया है। पप्पू- लेकिन हुआ क्या? गप्पू- कल गर्लफ्रेंड को लेटर लिखा और प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पत्नी को भी भेज दी...

शायरी

करता है तू छिपकर हमला,
ये तो कायरता की निशानी है,
क्या भारत इसका जवाब न देगा,
ये समझना तेरी अब नादानी है।

अर्थसार

संसेक्स:
76,992.77
+181.88 (0.24%)
निफ्टी:
23,465.60
+66.70

मौसम

अधिकतम : 45 डिग्री से0
न्यूनतम : 36 डिग्री से
सूयोदय मंगलवार : 5 : 35
सूर्यास्त सोमवार : 7 : 34

दो बच्चों की हत्या कर मां ने किया सुसाइड

रायबरेली में चादर से मासूमों का गला घोटा, पति बोला- घर लौटा तो लाशें मिलीं

रायबरेली। रायबरेली में मां ने अपने 5 साल के बेटे और 2 साल की बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद खुद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पति ने बताया- पत्नी हमेशा गुस्से में रहती थी। उसने चादर से बच्चों का गला घोंटकर मारा, फिर खुद रस्सी से लटक गई।

पति की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। एसपी अभिषेक अग्रवाल भी मौके पर पहुंचे। मामला लालगंज थाना क्षेत्र के लोदीपुर उतरावां गांव का है।

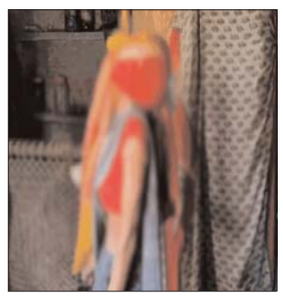

पति बोला- अंदर से बंद था दरवाजा

पति रतीभान ने बताया- मैं आज (16 जून) सुबह ही अपनी बहन कुसुम को उसकी ससुराल छोड़ने गया था। वहां से आने में मुझे 4 बज गए। बच्चों के लिए चाकलेट और केला लाया था। आते ही आवाज लगाई, लेकिन न तो बच्चे बाहर आए, न पत्नी की कोई आहट सुनाई दी।

घर का मेन दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजे को धक्का देकर अंदर गया, तो वहां कमरे में पत्नी सोनी (35), बेटे रौनक और बेटी रिमझिम की लाशें पड़ी थीं। दोनों बच्चों की लाश जमीन पर पड़ी थी, जबकि पत्नी की लाश फंदे से लटक रही थी। ये देखते ही मैंने शोर मचाया, तो पड़ोस के लोग मौके पर आए। ऐसा लग रहा है कि पत्नी ने बच्चों का चादर से गला घोंटा, फिर रस्सी से पंखे के कुंडे से फंदा लगाया और उससे लटक गई। चादर बच्चों के पास पड़ा था। मेरी पत्नी हमेशा गुस्से में रहती थी। कल (15 जून) भी उससे झगड़ा हुआ था, लेकिन वो ऐसा कदम उठा लेगी, इसका अंदाजा नहीं था।

नीट परीक्षा में गड़बड़ी हुई

धर्मेंद्र प्रधान ने माना- एनटीए में सुधार की जरूरत, अफसर दोषी मिले तो छोड़ेंगे नहीं

संबलपुर/नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पहली बार गड़बड़ी की बात मानी है।

उन्होंने रविवार 16 जून को कहा कि नीट के रिजल्ट में कुछ गड़बड़ियां हुई हैं। जो भी बड़े अधिकारी इसमें शामिल पाए जाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने माना कि परीक्षा लेने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में सुधार की जरूरत है। प्रधान ने कहा कि नीट के संबंध में दो तरह की अव्यवस्था का विषय सामने आया है। पहला- शुरुआती जानकारी थी कि कुछ स्टूडेंट्स को कम समय मिलने के कारण ग्रेस नंबर दिए गए। दूसरा- दो

जगहों पर कुछ अनियमितताएं सामने आई हैं। मैं छात्रों और अभिभावकों को आश्वस्त करता हूं कि इसे भी सरकार ने गंभीरता के साथ लिया है।

नीट की परीक्षा इसी साल 5 मई को हुई थी। इसमें 23 लाख 30 हजार स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। इस दौरान लोकसभा के चुनाव भी हो रहे थे। 4 जून को लोकसभा के साथ नीट के भी रिजल्ट जारी किए गए। इसमें 67 स्टूडेंट्स को पूरे 720 मार्क्स दिए गए। नीट की परीक्षा के इतिहास में पहली बार इतने छात्र टॉप स्कोरर रहे। इस पर कई स्टूडेंट्स ने सवाल उठाए। परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट समेत 7 हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर हुई हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट एक साथ जोड़कर 8 जुलाई को सुनवाई करेगा। इनमें नीट पेपर लीक और सीबीआई जांच की मांग वाली याचिकाएं भी शामिल हैं।

देशभर में स्टूडेंट्स का प्रदर्शन जारी

परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर 4 मार्च से ही स्टूडेंट्स रिजल्ट का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस की स्टूडेंट विंग एनएसयूआई ने सीबीआई जांच की मांग को लेकर रविवार को दिल्ली में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इसके अलावा देश के अलग-अलग हिस्सों में भी प्रदर्शन हुए। छात्रों की मांग है कि परीक्षा फिर से करवाई जाए।

गंगा में रील्स बनाने के चक्कर में 4 दोस्त डूबे

आरा में गंगा दशहरा पर नहाने गए थे; सभी 18-21 साल के, एक इकलौता बेटा

आरा(भोजपुर)। भोजपुर में चार दोस्त गंगा नदी में डूब गए। सभी गंगा दशहरे पर नदी में नहाने के लिए गए थे। सभी रील्स बना रहे थे। इस दौरान सभी गहरे पानी में चले गए। बताया जा रहा है कि पहले एक युवक डूब गया। उसे बचाने में एक के बाद एक और तीन युवक भी डूब गए। चारों को एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम लगातार खोज रही है।

घटना की सूचना के बाद एसडीएम, एसडीपीओ जगदीशपुर और सांसद सुदामा प्रसाद भी मौके पर

मौजूद हैं। घटना यूपी के बलिया के बैरिया अनुमंडल डोकटी थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवपुर गंगा घाट की है।

डूबने वालों में बिहिया थाना क्षेत्र के बारा खरौनी गांव के निवासी जवाहर गोंड का बेटा राम जी गोंड (18), स्व. लाल बाबू शर्मा का बेटा निशु शर्मा (18), रामा शंकर यादव का पुत्र दीपू कुमार (21) और विदेशी यादव का पुत्र सोनू कुमार यादव (18) है। सभी आपस में दोस्त हैं। इनमें निशु अपने घर का इकलौता बेटा है।

रामजी गोंड के पिता ने बताया कि घर के लोग शिवपुर गंगा घाट पर नहाने के लिए आए हुए थे। कुछ लोग गंगा स्नान करके घर वापस चले गए थे, लेकिन राम जी अपने दोस्तों के साथ गंगा नदी में नहा रहा था। मेरे बेटे समेत चार लोग गंगा नदी में एक-एक कर डूब गए। 5वां लड़का सुरेश यादव ने पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। वहीं चश्मदीद सुरेश यादव ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे गंगा दशहरा को लेकर गंगा नदी नहाने के दौरान चार लोग उसमें डूब गए हैं। सभी की तलाश की जा रही है। नदी में नहाने के दौरान सभी वीडियो, फोटो और रील्स बना रहे थे। उसी दौरान हादसा हुआ। जहां घटना घटी है वहां नदी में गहरा पानी था। इसकी वजह से एक-एक कर सब गंगा में समा गए।

ईवीएम बन गया 'ब्लैक बॉक्स', इसकी जांच की इजाजत किसी को नहीं : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़खानी की बात हमारी चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करती है और यह भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि ईवीएमएवं एक ऐसा ब्लैक बॉक्स बन गया है जिसकी जांच की इजाजत किसी को नहीं है और यही हमारी चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। गांधी ने कहा,भारत में ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स हैं और किसी को भी उनकी जांच करने की अनुमति नहीं है।

डीपफेक के खिलाफ डिजिटल इंडिया बिल लाएगी सरकार

शाह-सचिन-रश्मिका के फेक वीडियो आए थे; मोदी बोले थे- एआई जनेरेटेड कंटेंट्स पर वाटरमार्क जरूरी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जनरेट किए गए डीपफेक वीडियो और कंटेंट पर रोक लगाने के लिए मोदी सरकार डिजिटल इंडिया बिल लाने वाली है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस विधेयक में एआई टेक्नोलॉजी के बेहतर उपयोग और तरीकों पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस बिल के लिए विपक्षी दलों का समर्थन लेने की भी कोशिश करेगी।

24 जून से शुरू हो रहे 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में सबसे पहले नए सांसदों का शपथ ग्रहण और राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा। इसी सत्र में सरकार पूर्ण बजट भी पेश करेगी। सूत्रों के मुताबिक, बजट के अलावा सत्र में डिजिटल इंडिया बिल पर भी बहस हो सकती है। इस बिल में सोशल मीडिया पर जारी होने वाले वीडियो को रेगुलेट करने का भी प्रावधान हो सकता है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च को माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स को दिए एक इंटरव्यू में डीपफेक वीडियो के खतरे को बताया था। मोदी ने कहा था- एआई अच्छी चीज है, लेकिन अगर यह सही ट्रेनिंग के बिना किसी को दिया जाता है तो इसका दुरुपयोग होने की आशंका है।

मोदी ने कहा- भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में कोई भी डीपफेक का इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए एआई जनेरेटेड कंटेंट्स पर वाटरमार्क होना चाहिए, ताकि लोगों को पता चले कि यह एआई जनेरेटेड है। इससे कोई गुमराह नहीं होगा। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना, सचिन तेंदुलकर और गृह मंत्री अमित शाह तक के डीपफेक वीडियो आ चुके हैं।

डीपफेक रोकने के लिए सरकार ने जनवरी में तय किए थे नियम

डीपफेक रोकने के लिए केंद्रीय आईटी मंत्रालय ने नए नियम चुनाव से पहले जनवरी में ही तैयार कर लिए थे। इसके मुताबिक, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नए नियमों का उल्लंघन करेगा, उसका भारत में कारोबार रोक दिया जाएगा।

आईटी मंत्रालय ने बताया था कि 17 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और अन्य स्टेकहोल्डर्स के बीच हुई दो बार मीटिंग हुई।

इसमें तय हुआ था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डीपफेक कंटेंट को एआई के जरिए फिल्टर करने का काम करेंगे।

डीपफेक कंटेंट डालने वालों पर आईपीसी की धाराओं और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज होंगे।

हादसा — परिवार के 17 लोग गंगा स्नान के लिए आए थे, 13 को बचाया गया

पटना में नाव पलटी..एनएचएआई के रिटायर्ड अधिकारी समेत 4 लापता

पटना। पटना में गंगा नदी में नाव पलटने से एक ही परिवार के 17 लोग डूब गए। सभी हअद्व से रिटायर्ड एक अधिकारी का परिवार था। इनमें से 13 लोगों को बचा लिया गया है। जबकि रिटायर्ड अधिकारी समेत 4 लोग अभी भी लापता हैं। ये सभी नालंदा के रहने वाले हैं।

लापता चार लोगों की पहचान नालंदा जिले के मालती गांव निवासी अवधेश कुमार (60), उनके जीजा हरदेव प्रसाद (65) और हरदेव प्रसाद के बेटे नीतीश कुमार (30) के साथ साथ ग्रामीण मंजू देवी (45) शामिल है बताया जा रहा है कि परिवार में किसी के डेथ के बाद सभी शुद्धिकरण

के लिए गंगा स्नान करने के लिए पटना के बाढ़ के आए थे। फिर बाढ़ के उमानाथ घाट से नाव के जरिए दियारा की तरफ चले गए। सभी स्नान करके वापस लौट रहे थे, इसी दौरान ये हादसा हो गया।

दरअसल, गंगा दशहरा के मौके पर उमानाथ घाट भारी भीड़ थी। इसी दौरान रिटायर्ड अधिकारी का परिवार भी वहां पहुंच गया। घाट पर भीड़ को देखते हुए सभी ने गंगा के दूसरी ओर स्नान करने चले गए थे।

नाव पलटने की सूचना पर बाढ़ एसडीएम शुभम कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। एसडीआरएफ की टीम डूबे हुए लोगों की तलाश में लगी है।

बीच धारा में आने पर नाविक ने बंद कर दिया इंजन

अवधेश प्रसाद के भांजा आलोक कुमार भी नाव पर सवार थे। वो सेल के आसनसोल प्लांट में टेक्नीशियन हैं। उन्हें भी स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू किया है। उन्होंने बताया कि नाव पर 16-17 लोग सवार थे। इसमें 8 लोग अपने घर के और बाकी लोग बगल के परिवारों के थे। हमलोग दियारा की ओर से नहाकर आ रहे थे, तब नाव में थोड़ा पानी भर गया था। नाविक पानी नहीं निकाला, जिससे नाव में पानी भरता चला गया। आगे आकर वो इंजन भी बंद कर दिया था। तब हमलोग करीब 40 प्रतिशत रास्ता तय कर चुके थे। अगर नाव का इंजन बंद नहीं होता तो हमलोग किनारे तक पहुंच जाते।

एसडीएम बोले- लापता लोगों की तलाश जारी है

एसडीएम शुभम कुमार ने बताया कि एक ही परिवार के 17 लोग नाव पर सवार हुए, उसके बाद ये घटना हुई। उन्होंने बताया कि गंगा नदी में लापता लोगों के तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया है। बताया जा रहा है कि नाव पर सवार सभी लोग एक ही परिवार के मालती गांव के निवासी हैं।

वाहन खाई में गिरा, चार की मौत, तीन बच्चे घायल

दो बालिकाओं को गंभीर हालत में एयरलिफ्ट कर, एम्स ऋषिकेश भेजा गया है

देहरादून। उत्तराखंड के जनपद पौड़ी गढ़वाल में एक वाहन रविवार को अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में तीन किशोरियों और चालक सहित चार लोगों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई तथा तीन बच्चे घायल हो गये।

दो बालिकाओं को गंभीर हालत में एयरलिफ्ट कर, एम्स ऋषिकेश भेजा गया है। एक घायल का स्थानीय अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की पुलिस महानिरीक्षक (आइजी) रिद्धिमा अग्रवाल ने यूनीवार्ता को बताया कि आज सुबह कोतवाली श्रीनगर द्वारा खिर्सू चौबट्टा के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना देते हुए

रेस्क्यू को टीम की मांग की गई। जिसपर उप निरीक्षक देवीदत्त बर्थवाल के नेतृत्व में एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। उन्होंने बताया कि उक्त वाहन स्विफ्ट कार में सात लोग सवार थे जो किसी बारात में शामिल होने जा रहे थे।

उन्होंने बताया कि अनियंत्रित वाहन लगभग 200 मीटर गहरी खाई में गिरकर, दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिला पुलिस व स्थानीय लोगों द्वारा तीन घायलों को कान्हा पुत्र अजय, ग्रा. उरेगी उम्र 11 वर्ष, साक्षी नेगी पुत्री सुरेश नेगी, उम्र-14 वर्ष, निवासी परसुंडाखाल, और समीक्षा रावत पुत्री विनोद रावत, निवासी- काठुली, उम्र-15 वर्ष को निकालकर अस्पताल भिजवा दिया गया। इनमें से साक्षी और समीक्षा को गंभीर हालत के कारण एयरलिफ्ट कर, एम्स, ऋषिकेश भेजा गया है।

अग्रवाल ने बताया कि घटना में चालक मनवर सिंह उर्फ सोनू, सृष्टि नेगी (15) पुत्री सुरेश नेगी, निवासी परसुण्डाखाल, आरुषी (9) पुत्री अजय, ग्राम. उरेगी, और सौम्या (5) पुत्री गणेश, निवासी परसुण्डाखाल, की मौके पर ही मृत्यु हो गई है।

दिल्ली जल बोर्ड ऑफिस पर पथराव, मटके फेंके

नई दिल्ली। दिल्ली में जल संकट विवाद रविवार को हिंसक हो गया। सैकड़ों की संख्या में आए लोगों ने छतरपुर जल बोर्ड ऑफिस पर पथराव और तोड़फोड़ की। ऑफिस पर मटके फेंके, जिसकी वजह से शीशे टूट गए। हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

इस घटना पर दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा- दक्षिण दिल्ली के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी भाजपा के गुंडों को लेकर आए और जल बोर्ड के दफ्तर में तोड़फोड़ करवाई। हमने इसका वीडियो दिल्ली पुलिस को भेज दिया है। क्या दिल्ली पुलिस एफआईआर करेगी। आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे सप्लाई प्रभावित हो रहा है। भाजपा के नेता टूटी पाइपलाइन के पास कैसे पहुंच जा रहे हैं। वे यहां फोटो क्लिक कराते हैं। मैंने पुलिस कमिश्नर को चिट्ठी लिखकर पाइपलाइनों की सिक्योरिटी की मांग की है।

संपादकीय

एक दिन सब ख़त्म होना है तो नफ़रत और युद्ध क्यों ?

एक दिन सब ख़त्म होना है, फिर नफ़रत और युद्ध क्यों ?
क्यों न जिएं हम प्रेम से, क्यों न बाँटें खुशियों का अंश,
इंसानियत का पाठ पढ़ाएं, यही हो जीवन का लक्ष्य।

राजेश चौधरी, संपादक
विशाल इंडिया

जीवन अनिश्चित और अस्थायी है, और एक दिन हम सभी को इस दुनिया को छोड़ जाना है। फिर भी, हम अपने संक्षिप्त समय को नफ़रत और युद्ध में क्यों व्यर्थ करते हैं ? क्यों हम अपने दिलों में प्रेम और शांति को स्थान नहीं देते ? यह समय है कि हम आत्मनिरीक्षण करें और मानवता के कल्याण के लिए प्रेम, शांति और सहिष्णुता का मार्ग अपनाएं।

नफ़रत और युद्ध के परिणाम

नफ़रत और युद्ध केवल विनाश और पीड़ा लाते हैं। इतिहास हमें बार-बार यह सिखाता है कि हर युद्ध ने केवल जान-माल का नुकसान किया है और समाज को विभाजित किया है। नफ़रत ने लोगों के दिलों में दरारें पैदा की हैं और आपसी विश्वास को खत्म किया है। युद्ध का कोई विजेता नहीं होता, केवल पीड़ित होते हैं।

प्रेम और सहिष्णुता का महत्व

प्रेम, सहिष्णुता और समझ ही वे मूल्य हैं जो समाज को एकजुट करते हैं। एकता, शांति और विकास के लिए यह आवश्यक है कि हम एक-दूसरे को समझें, सम्मान करें और सहयोग करें। प्रेम और सहिष्णुता के माध्यम से ही हम एक समृद्ध और खुशहाल समाज का निर्माण कर सकते हैं।

महात्मा गांधी के विचार

महात्मा गांधी ने अहिंसा और प्रेम के सिद्धांतों को अपनाया और अपने जीवन में इनका पालन किया। उनके अनुसार, अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने यह भी कहा, नफ़रत के बदले नफ़रत कभी खत्म नहीं होती, नफ़रत को केवल प्रेम से ही समाप्त किया जा सकता है।

स्वामी विवेकानंद के विचार

स्वामी विवेकानंद ने भी प्रेम और सहिष्णुता का महत्व समझाया। उन्होंने कहा, यदि आप वास्तव में विश्व शांति चाहते हैं, तो दूसरों के प्रति सहिष्णुता और प्रेम को बढ़ावा दें। उनके विचार हमें सिखाते हैं कि एकता और प्रेम ही सच्ची शक्ति है।

गौतम बुद्ध के विचार

गौतम बुद्ध ने प्रेम, करुणा और अहिंसा के मार्ग को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा, नफ़रत को नफ़रत से नहीं, बल्कि प्रेम से ही समाप्त किया जा सकता है। यही शाश्वत नियम है। बुद्ध का संदेश हमें यह सिखाता है कि सच्ची शांति और आनंद केवल प्रेम और करुणा से ही प्राप्त हो सकते हैं।

समाज की भूमिका

समाज का हर व्यक्ति इस बदलाव में योगदान दे सकता है। हमें यह समझना होगा कि नफ़रत और युद्ध के स्थान पर प्रेम और शांति को अपनाने से ही हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं। यह हमारे शिक्षण, व्यवहार और नीति-निर्माण में भी परिलक्षित होना चाहिए।

उदाहरण और प्रेरणा

1. नेल्सन मंडेला : दक्षिण अफ्रीका के महान नेता ने अपने जीवन के 27 साल जेल में बिताए, लेकिन रिहाई के बाद उन्होंने नफ़रत के बदले प्रेम और सहिष्णुता का मार्ग अपनाया और अपने देश को विभाजन से बाहर निकाला।

2. मदर टेरेसा : उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों और असहायों की सेवा में बिताया। उनका संदेश था, छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से करें।

3. दलाई लामा : तिब्बती धर्मगुरु ने अपने संदेश में हमेशा शांति, प्रेम और करुणा का प्रचार किया है।

निष्कर्ष

जीवन की संक्षिप्तता और अनिश्चितता को समझते हुए, हमें नफ़रत और युद्ध को त्यागकर प्रेम, शांति और सहिष्णुता का मार्ग अपनाना चाहिए। यह हमें न केवल एक बेहतर जीवन जीने में मदद करेगा, बल्कि एक बेहतर विश्व का निर्माण करने में भी सहायक होगा। जब हम प्रेम और करुणा से भरपूर जीवन जीते हैं, तभी हम सच्चे मानव होने का अर्थ समझ पाते हैं।

भारत सहित विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक बढ़ा रहे है अपने स्वर्ण भंडार

प्रह्लाद सबनानी

भारत को इस स्वर्ण भंडार को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिवर्ष फी के रूप में कुछ राशि बैंक आफ इंग्लैंड को अदा करनी होती थी अतः अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 100 टन स्वर्ण भंडार को भारत लाने के बाद इस फी की राशि को अदा करने से भी भारत बच जाएगा।

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी बैंकों में रखे भारत के 100 टन सोने को ब्रिटेन से वापिस भारत में ले आया गया है। यह सोना भारत ने ब्रिटेन के बैंक में रिजर्व के तौर पर रखा था और इस पर भारत प्रतिवर्ष कुछ फीस भी ब्रिटेन के बैंक को अदा करता रहा है।

समस्त देशों के केंद्रीय बैंक अपने यहां सोने के भंडार रखते हैं ताकि इस भंडार के विरुद्ध उस देश में मुद्रा जारी की जा सके (भारत में 308 टन सोने के विरुद्ध रुपए के रूप में मुद्रा जारी की गई है, यह सोने के भंडार भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा हैं) और यदि उस देश की अर्थव्यवस्था में कभी परेशानी खड़ी हो एवं उस देश की मुद्रा का तेजी से अवमूल्यन होने लगे तो इस प्रकार की परेशानियों से बचने के लिए उस देश को अपने स्वर्ण भंडार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचना पड़ सकता है। इस कारण से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने पास स्वर्ण के भंडार रखते हैं।

पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण भंडार का 17 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास जमा है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी 822 टन के स्वर्ण भंडार हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इसका 50 प्रतिशत से अधिक भाग, अर्थात लगभग 413.8 टन, भारत के बाहर अन्य केंद्रीय बैंकों विशेष रूप से बैंक आफ इंग्लैंड एवं बैंक आफ इंटर्नैशनल सेटल्मेंट के पास रखा गया है।

उक्त वर्णित 308 टन के अतिरिक्त 100.3 टन स्वर्ण भंडार भी भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा है। वर्ष 1947 में भारत के राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व ही भारत ने अपने स्वर्ण के भंडार बैंक आफ इंग्लेड में रखे हुए हैं। इसके बाद 1990 के दशक में भी भारत ने अपनी आर्थिक परेशानियों के बीच अपने स्वर्ण भंडार को बैंक आफ इंग्लैंड में गिरवी रखकर अमेरिकी डॉलर उधार लिए थे। विभिन्न देशों द्वारा लंदन में स्वर्ण भंडार इसलिए रखे जाते हैं क्योंकि लंदन पूरे विश्व का सबसे बड़ा स्वर्ण बाजार है और यहां स्वर्ण को सुरक्षित रखा जा सकता है।

यहां के बैकों द्वारा विभिन्न देशों को स्वर्ण भंडार के विरुद्ध अमेरिकी डॉलर एवं ब्रिटिश पाउंड में आसानी से ऋण प्रदान किया जाता है बल्कि यहां पर स्वर्ण भंडार को आसानी से बेचा भी जा सकता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण के कई खरीदार यहां आसानी से उपलब्ध रहते हैं। कुल मिलाकर इंग्लैंड स्वर्ण का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ा बाजार हैं। लंदन के बाद न्यूयॉर्क को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण का एक बड़ा बाजार माना जाता है।

भारत को इस स्वर्ण भंडार को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिवर्ष फी के रूप में कुछ राशि बैंक आफ इंग्लैंड को अदा करनी होती थी अतः अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 100 टन स्वर्ण भंडार को भारत लाने के बाद इस फी की राशि को अदा करने से भी भारत बच जाएगा।

दूसरे अपने यहां स्वर्ण भंडार रखने से भारत के पास सदैव तरलता बनी रहेगी। जब चाहे भारत इस स्वर्ण भंडार का इस्तेमाल स्थानीय अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने हित के लिए कर सकता है।

वर्ष 2009 में भारत ने 200 टन का स्वर्ण भंडार अंतरराष्ट्रीय बाजार में 670 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अदा कर खरीदा था।

15 वर्ष वर्ष बाद पुनः भारत ने अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करने का निश्चय किया है।

स्वर्ण भंडार सहित आज भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गए हैं और यह भारत के लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर की राशि है। अतः अब भारत को अपने स्वर्ण भंडार बेचने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी इसलिए भी भारत ने ब्रिटेन में स्टोर किए गए अपने स्वर्ण भंडार को भारत में वापिस लाने का निर्णय किया है।

विश्व में आज विभिन्न देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के उद्देश्य से अपने पास स्वर्ण के भंडार भी बढ़ाते जा रहे हैं।

आज पूरे विश्व में अमेरिका के पास सबसे अधिक 8133 मेट्रिक टन स्वर्ण के भंडार है, इस संदर्भ में जर्मनी, 3352 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ दूसरे स्थान पर एवं इटली 2451 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ तीसरे स्थान पर है।

फ्रांस (2437 मेट्रिक टन), रूस (2329 मेट्रिक टन), चीन (2245 मेट्रिक टन), स्विजरलैंड (1040 मेट्रिक टन) एवं जापान (846 मेट्रिक टन) के बाद भारत, 812 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ विश्व में 9वें स्थान पर है। भारत ने हाल ही के समय में अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करना प्रारम्भ किया है एवं यूनाइटेड अरब अमीरात से 200 मेट्रिक टन स्वर्ण भारतीय रुपए में खरीदा था।

हाल ही के समय में चीन का केंद्रीय बैंक भारी मात्रा में अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की खरीद कर रहा है। कुछ अन्य देशों के केंद्रीय बैंक भी अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करने में लगे हैं। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण के दामों में बहुत अधिक वृद्धि देखने में आई है और यह 2400 अमेरिकी डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच गई है।

कई देश संभवत : अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में स्वर्ण भंडार को अधिक महत्व दे रहे हैं, क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर अधिक निर्भरता से कई देशों को आर्थिक नुक्सान झेलना पड़ रहा है।

यदि अमेरिकी डॉलर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत हो रहा हो तो उस देश की मुद्रा का अवमूल्यन होने लगता है। इससे उस देश में वस्तुओं का आयात महंगा होने लगता है और उस देश में मुद्रा स्फीति के बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

इन विपरीत परिस्थितियों में घिरे देश के लिए स्वर्ण भंडार बचाव का काम करते हैं। इसलिए आज लगभग प्रत्येक देश के केंद्रीय बैंक अपने स्वर्ण भंडार को बढ़ाने के बारे में विचार करते हुए नजर आ रहे हैं।

17 जून का इतिहास : महत्वपूर्ण घटनाएं और उपलब्धियां

इतिहास हमें सिखाता है, प्रेरित करता है और भविष्य की दिशा दिखाता है।

17 जून को इतिहास के पन्नों में कई महत्वपूर्ण घटनाओं और उपलब्धियों के लिए याद किया जाता है। इस दिन ने कई महत्वपूर्ण घटनाओं को अपने अंदर समेटा है, जिन्होंने विश्व के इतिहास को प्रभावित किया है। आइए, 17 जून की कुछ प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं पर एक नज़र डालें।

विश्व इतिहास में 17 जून की प्रमुख घटनाएँ

1. 1579 – फ्रांसिस ड्रेक का कैलिफोर्निया आगमन

इंग्लैंड के समुद्री कप्तान और खोजकर्ता सर फ्रांसिस ड्रेक ने 17 जून 1579 को कैलिफोर्निया के तट पर कदम रखा और उसे इंग्लैंड के लिए दावा किया। इसे न्यू एल्बियन का नाम दिया गया था।

2. 1885 – स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी का न्यूयॉर्क में आगमन

17 जून 1885 को, फ्रांस ने स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी को एक उपहार के रूप में अमेरिका को प्रस्तुत किया। यह प्रतिमा न्यूयॉर्क के बंदरगाह पर पहुंची और आज भी यह स्वतंत्रता और लोकतंत्र का प्रतीक मानी जाती है।

3. 1930 – स्मूथ-हॉली टैरिफ एक्ट

17 जून 1930 को, अमेरिका ने स्मूथ-हॉली टैरिफ एक्ट पारित किया। यह अधिनियम अमेरिका में आयातित वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाता था, जिससे वैश्विक व्यापारिक संबंधों में तनाव बढ़ा।

4. 1972 – वॉटरगेट स्कैंडल

17 जून 1972 को, वॉशिंगटन डीसी के वॉटरगेट कॉम्प्लेक्स में डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के मुख्यालय में सेंधमारी हुई। इस घटना ने अमेरिकी राजनीति में एक बड़ा घोटाला उजागर किया, जिससे राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को इस्तीफा देना पड़ा।

5. 1994 – ओ. जे. सिम्पसन की गिरफ्तारी

17 जून 1994 को, प्रसिद्ध अमेरिकी फुटबॉल खिलाड़ी ओ. जे. सिम्पसन को उनकी पत्नी निकोल ब्राउन सिम्पसन और उनके दोस्त रोनाल्ड गोल्डमैन की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह घटना अमेरिकी न्याय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनी।

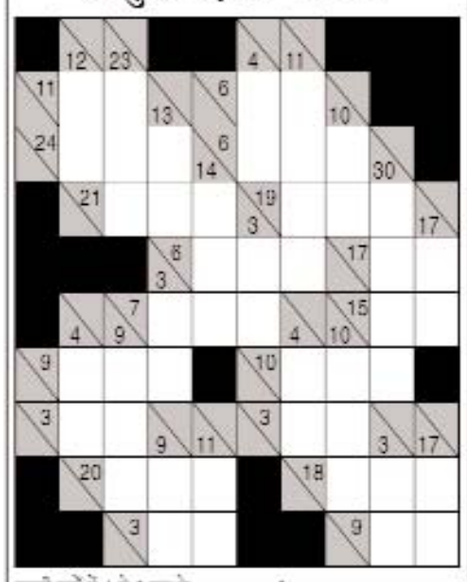

भारतीय इतिहास में 17 जून की प्रमुख घटनाएँ

1. 1631 – ताजमहल का निर्माण शुरू

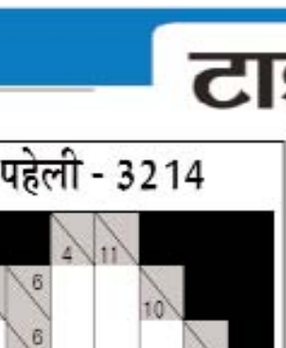

17 जून 1631 को, मुग़ल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में ताजमहल का निर्माण शुरू किया। यह अद्वितीय सफेद संगमरमर की इमारत आज भी प्रेम का प्रतीक मानी जाती है।

2. 1944 – नेताजी सुभाष चंद्र बोस का ऐतिहासिक भाषण

17 जून 1944 को, नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने रंगून में आज़ाद हिंद रेडियो से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए अपना ऐतिहासिक भाषण दिया। उन्होंने भारतीय सैनिकों से अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने की अपील की।

3. 1980 – भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की वापसी

17 जून 1980 को, इंदिरा गांधी ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत की। उन्होंने भारतीय राजनीति में अपने दृढ़ नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

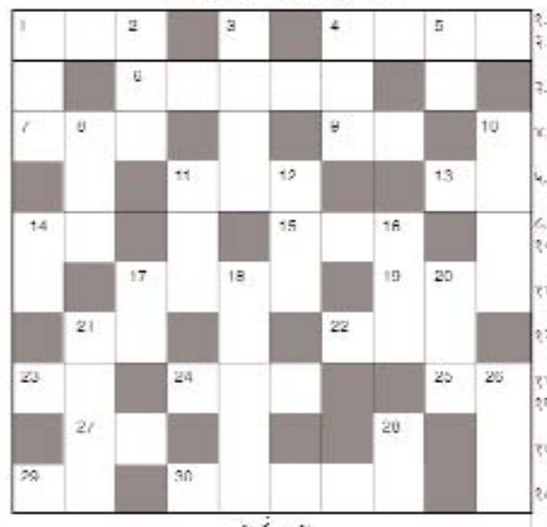

निष्कर्ष

17 जून का इतिहास कई महत्वपूर्ण घटनाओं और उपलब्धियों से भरा हुआ है।

यह दिन हमें इतिहास की उन घटनाओं को याद दिलाता है जिन्होंने हमारे समाज और विश्व को प्रभावित किया है। हमें इन घटनाओं से सीख लेकर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

इतिहास को जानना और समझना हमें न केवल अपने अतीत से जोड़ता है, बल्कि हमें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार भी करता है।

खेती लाभकारी बनी तो रुकेगा युवाओं का पलायन

पिछले 10 वर्षों में ग्रामीण मज़दूरी स्थिर है या घटती रही है, और खेती घाटे का सौदा बनी हुई है। ऐसे में चुनावी नतीजों में किसानों का मोहभंग निश्चित रूप से झलकता है। सत्तासीन दल को न केवल किसानों के प्रति उपेक्षा और उदासीनता बल्कि उनके विरोध-प्रदर्शनों के समक्ष मनमानी और पुलिस दमन का भी परिणाम भुगतना पड़ा। बताते हैं कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में किसानों के प्रभाव वाले कम से कम 38 संसदीय सीटें कांग्रेस के खाते में गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की दिक्कतों को स्वीकार किया, जब उन्होंने परिणाम के बाद भाजपा मुख्यालय में विजय भाषण में कहा-'हम बीजों की खरीद के स्तर से लेकर बाज़ारों में बिक्री के स्तर तक कृषि को आधुनिक बनाने के कार्य को प्राथमिकता देते रहेंगे। दालों से लेकर खाद्य तेलों तक, हम अपने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार काम करेंगे।' लेकिन आगे बढ़ने से पहले, मुझे लगता है कि पहले यह समझना ज़रूरी है कि कृषि संकट नाकाफी आधुनिकीकरण के कारण है या इसलिए है कि कृषि को जान-बूझकर दरिद्र रखा गया है। हम किसानों को गारंटीशुदा कीमत न देने के सवाल पर आंखें मूंदकर नहीं बैठ सकते, ताकि पहले आजीविका के गंभीर मुद्दों पर ध्यान दिया जा सके। इसे समझाने के लिए हरियाणा का उदाहरण दिया जा सकता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हरियाणा ने कृषि उत्पादन के मामले में प्रभावशाली प्रदर्शन करने के लिए निश्चित रूप से लंबी छलांग लगाई है। न केवल खाद्यान्न में आत्मनिर्भर होने के कारण बल्कि इसने विभिन्न कृषि जिंसों में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। कई साल तक हरियाणा केंद्रीय भंडार में सरप्लस गेहूं और चावल का दूसरा सबसे बड़ा योगदान करने वाला राज्य रहा है। अब भी, सेंट्रल पूल में अतिरिक्त फूड स्टॉक आपूर्ति में इसका हिस्सा 16 फीसदी है। कई विशेषज्ञ कहेंगे कि इसका समाधान फसल विविधीकरण में है। परंतु जो बात बड़ी आसानी से नजरअंदाज कर दी जाती है वो यह कि विविधीकरण के लिए पहली जरूरत है यह यकीनी बनाना कि मुहैया कराये जा रहे विकल्पों से होने वाली शुद्ध प्राप्ति किसानों को गेहूं और धान फसल चक्र से होने वाली कमाई से कम न हो। हालांकि किसानों को गेहूं और धान पर एमएसपी मिलता है, लेकिन यह अपेक्षित लागत और लाभप्रदता के अनुरूप नहीं होता है। किसी भी हालत में पहला कदम तो स्वामीनाथन कमीशन के फॉमूले के अनुसार कीमत गारंटी यकीनी बनाना होना चाहिये।

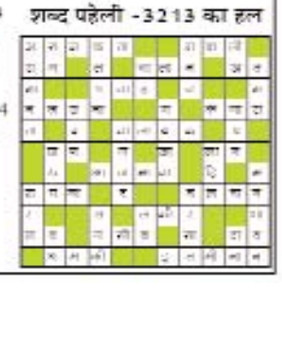

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3214

काकुरो - 3213 का हल

लॉफिंग जोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे हैं क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

फिल्म वर्ग पहेली- 3214

बायें से दायें:

ऊपर से नीचे:-

फिल्म वर्ग पहेली- 3213

सूडोकु -3214

सूडोकु -3213 का हल

शब्द पहेली - 3214

बायें से दायें

ऊपर से नीचे

शब्द पहेली -3213 का हल

घर बनाना और उद्योग लगाना हुआ महंगा

सभी तरह की संपत्तियों की आवंटन दरों में वृद्धि

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अपनी सभी तरह की संपत्तियों की आवंटन दरों में 5.30 फीसदी की वृद्धि कर दी है। इससे ग्रेटर नोएडा में घर, दुकान और उद्योग लगाना और अधिक महंगा हो गया है। नई दरें एक अप्रैल से लागू मानी जाएंगी।

प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को बोर्ड बैठक हुई। प्राधिकरण ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए संपत्ति की आवंटन दरें निर्धारित कर दी हैं। सभी तरह की संपत्ति की दरों में 5.30 फीसदी का इजाफा किया गया है। बैठक में दरें बढ़ाने पर मुहर लग गई। वित्त विभाग की तरफ से जल्द ही इससे संबंधित आदेश कर दिया जाएगा।

बैठक में सेक्टर चाई में एग्जीविशन कन्वेंशन सेंटर का निर्माण, दादरी के समीप कार्गो टर्मिनल विकसित करने, इस साल के अंत तक सभी 58 सेक्टरों में गंगाजल की आपूर्ति, पालतू बिल्ली-कुत्तों का रजिस्ट्रेशन शुल्क खत्म करने, किसान आबादी भूखंड के बढ़े क्षेत्रफल पर पास के सेक्टर का आवंटन रेट सहित कई अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर बोर्ड की मुहर लगी।

ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में विकास से जुड़ी कई परियोजनाएं आने वाली हैं, जिनमें ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो, मल्टीमॉडल लॉजिस्टक हब एवं ट्रांसपोर्ट हब जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शामिल हैं। विकास परियोजनाओं को देखते हुए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में संपत्ति की आवंटन दरें निर्धारित की जाती हैं।

किसानों की मुआवजा राशि में बढ़ोतरी संभव : प्राधिकरण की सभी तरह की संपत्तियों की आवंटन दरों में वृद्धि होने से इसका फायदा जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को भी मिल सकता है। किसानों को मिलने वाले मुआवजा राशि में वृद्धि हो सकती है।

विकास परियोजनाओं के लिए प्राधिकरण 21 गांवों की जमीन सहमति के आधार पर अधिग्रहीत करने की तैयारी कर रहा है। इससे संबंधित सूचना जारी कर दी गई है। बोर्ड की बैठक में ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. एम लोकेश, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ मेधा रूपम, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

मोबाइल कंपनियां मनमानी ढंग से टावर नहीं लगा सकेंगी

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने मोबाइल टावर लगाने की पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। मोबाइल कंपनियां अब मनमानी ढंग से टावर नहीं लगा सकेंगी। अब किसी पार्क या ग्रीन बेल्ट में मोबाइल टावर लगवाने के लिए मोबाइल सेवा ऑपरेटर कंपनी को तय प्रारूप पर सीईओ के समक्ष आवेदन करना होगा। आवेदक को तीन लाख की बैंक गारंटी क्षतिपूर्ति के रूप में प्राधिकरण के खाते में जमा करनी होगी।

दादरी के पास कार्गो टर्मिनल विकसित होगा

दादरी क्षेत्र के तिलपता कंटेनर डिपो के समीप गति शक्ति कार्गो टर्मिनल विकसित किया जाएगा। इस परियोजना को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। इससे क्षेत्र में विकास को नई गति मिलेगी। पीएम गति शक्ति योजना के अंतर्गत यहां करीब 260 एकड़ में कार्गो टर्मिनल विकसित किया जाएगा। यह जमीन पाली व मकौड़ा गांव के पास स्थित है। प्राधिकरण के मुताबिक इससे लगभग 15 हजार लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही एनसीआर रीजन का मुख्य लॉजिस्टिक हब बन जाएगा।

मेट्रो कॉरिडोर के दोनों तरफ अतिरिक्त एफएआर को मंजूरी

नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के नॉलेज पार्क-5 तक प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर के दोनों तरफ 500 मीटर की दूरी स्थित सभी श्रेणी के भूखंडों के लिए अतिरिक्त एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड की शनिवार को मंजूरी मिल गई।

इस निर्णय से जहां आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, वहीं प्राधिकरण को भी आर्थिक लाभ होगा। अतिरिक्त एफएआर की अनुमति लेने पर निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। इससे उन लोगों को फायदा होगा, जिनके भूखंड कॉरिडोर के आसपास हैं।

कुत्तों के पंजीकरण का शुल्क अब नहीं लगेगा

ग्रेनो प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में कुत्तों के पंजीकरण की संशोधित नीति को मंजूरी मिल गई है। कुत्तों के पंजीकरण का शुल्क अब खत्म कर दिया गया है। संशोधित पॉलिसी के अनुसार अब कुत्तों के पंजीकरण के लिए शुल्क नहीं लगेगा। पंजीकरण तीन माह के बजाय साल भर चलेगा। अगर किसी ने पंजीकरण न होने की शिकायत की तो उसकी जांच की जाएगी। मामला सही मिलने पर 2000 रुपये जुर्माना लगेगा।

चोरों को संरक्षण देने में चौकी इंचार्ज समेत चार पुलिसकर्मी निलंबित

ग्रेटर नोएडा। चोरों को संरक्षण देने के आरोप में डीसीपी सेंट्रल ने सूरजपुर कस्बा चौकी के प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। चौकी प्रभारी आलोक सिंह, हेड कांस्टेबल अश्वनी व सीमांत और सिपाही अरविंद के खिलाफ विभागीय जांच शुरू हो गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आंतरिक जांच में चारों पुलिसकर्मियों की गतिविधियां संदिग्ध मिली हैं। पुलिसकर्मियों ने चोरी की वारदात में शामिल बदमाशों को गिरफ्तार नहीं किया। जबकि उनके साथ फोन पर लगातार बातचीत कर रहे थे। आला अधिकारियों के निर्देश के बाद मामले में कार्रवाई की गई है।

सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र की कंपनी में लाखों रुपये की चोरी हुई थी। चोरी के आरोप में कस्बा चौकी पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जबकि चोरी में शामिल अन्य आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया। इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों तक पहुंची। आला अधिकारियों की जांच में पता चला कि पुलिसकर्मी आरोपियों से फोन पर बात करते थे। कॉल डिटेल में इसकी पुष्टि हुई है। जिसके बाद डीसीपी सेंट्रल सुनीति ने सुरजपुर कस्बा चौकी प्रभारी आलोक सिंह, हेड कांस्टेबल अश्वनी व सीमांत और सिपाही अरविंद को निलंबित कर दिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आतंरिक जांच में पता चला है कि चारों पुलिसकर्मी पहले से ही आरोपियों को जानते थे। उन्होंने जानबूझकर आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की थी। आरोपी पुलिसकर्मियों ने चोरों को संरक्षण दिया हुआ था। हालांकि अधिकारी इस मसले पर खुलकर बोलने से बच रहे हैं।

गिरफ्तार आरोपियों से दोबारा होगी पूछताछ

चारों पुलिसकर्मियों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए गिरफ्तार आरोपियों से फिर से पूछताछ की जाएगी। जांच में पता चला है कि जिस कंपनी में वारदात हुई। वहां पर लगातार चोरी हो रही है। आरोप है कि कबाड़ियों और निलंबित पुलिसकर्मियों की मिलीभगत से वहां चोरी हो रही थी।

सूरजपुर क्षेत्र में कई चोरी की वारदात में कार्रवाई करने में लापरवाही बरती गई है। मामले में चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। उनकी कुछ गतिविधियां भी संदिग्ध मिली हैं। चारों की विभागीय जांच की जा रही है।

- सुनीति, डीसीपी, सेंट्रल नोएडा

शार्ट न्यूज

यीडा दूसरे चरण के लिए जुलाई में वितरित करेगा 1129 करोड़ का मुआवजा

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) दूसरे चरण के कामों को गति देने के लिए जुलाई में 1129 करोड़ रुपये का मुआवजा किसानों को देगा। इसके लिए अब तक इसका तीन गुना यानी 3,664 करोड़ रुपये का मुआवजा वितरित किया जा चुका है। ऐसे में लैंड बैंक मजबूत करने के लिए यीडा जुट गया है। नोएडा एयरपोर्ट की प्रगति की समीक्षा 20 जून को लखनऊ में शासनस्तर पर की जाएगी। जिला प्रशासन ने एयरपोर्ट में जमीन आने पर मुआवजे का पैसा नहीं लेने वाले किसानों को 20 जून तक का मौका दिया है। एयरपोर्ट के लिए चिह्नित जमीन के करीब 90 फीसदी किसानों ने मुआवजा ले लिया है और करीब 10 प्रतिशत तक किसानों ने नहीं लिया है। प्रशासन तय समय सीमा के बाद यह पैसा ट्रेजरी विभाग में डाल देगा। ऐसे में यीडा ने पहले चरण के काम के साथ ही आगे की कार्ययोजना पर भी रिपोर्ट तैयार की है। इसमें एयरपोर्ट के दूसरे चरण के लिए 1365 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की योजना है। इसके लिए रान्हेरा, कुरैब, करौली बांगर, वीरमपुर व दयानतपुर गांव जमीन चिह्नित की गई है। यहां रहने वाले करीब साढ़े 12 हजार परिवारों को प्राधिकरण ने मॉडलपुर और फ्लैंदा बांगर में फ्लैट बनाकर बसाने की तैयारी है। शासन ने इस परियोजना के लिए 1,296 करोड़ रुपए का बजट भी आवंटित कर दिया है।

अमेरिकी महिला को पति से डर, मदद की गुहार

ग्रेटर नोएडा। बीटा-2 कोतवाली में विदेशी महिला ने कोर्ट के आदेश पर पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि पति ने उसे बंधक बनाया हुआ है। बच्चों से भी मिलने नहीं देता है। वह अपने देश लौटना चाहती है, लेकिन पति उसका और बच्चों का पासपोर्ट नहीं दे रहा है। महिला पुलिस ने पासपोर्ट दिलाने और वापस देश भेजने में मदद करने की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। अमेरिका की रहने वाली महिला टिफैन किम्बले स्काईलिस शर्मा ने ग्रेटर नोएडा के मोहित शर्मा से शादी की थी। मोहित सेक्टर चाई-फाई स्थित पूर्वांचल रायल सोसाइटी में रहते हैं। दोनों की शादी सात वर्ष पहले अमेरिका में हुई थी। तब मोहित अमेरिका में रहकर नौकरी करते थे। महिला का आरोप है कि मोहित ने अमेरिका की नागरिकता हासिल करने के लिए उससे शादी की थी, लेकिन अमेरिका में उस पर लाखों का कर्ज हो गया तो वो भारत लौट आया। दिल्ली में रहने लगे। स्टॉक मार्केट में नुकसान होने पर वह परिवार के साथ ग्रेटर नोएडा में रहने लगे। हिंदी नहीं आने के कारण टिफैन को काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है।

जिले के पांच हजार किसानों को सरचार्ज में छूट

नोएडा। किसान उपभोक्ताओं को अपना बकाया भुगतान कर कर्ज से मुक्ति दिलाने के लिए विद्युत निगम ने सरचार्ज में शत प्रतिशत रियायत देने की घोषणा की है। 30 जून से पहले विद्युत निगम के पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराकर एक मुश्त बकाया का भुगतान करने वाले किसान उपभोक्ताओं को सरचार्ज में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसके बाद किसान उपभोक्ताओं को मूल बिल व सरचार्ज दोनों का भुगतान करना होगा। पूरा बकाया बिल भुगतान करने वाले किसानों को नलकूप के लिए निशुल्क बिजली मुहैया कराई जाएगी। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक ईशा दुहन ने बताया, यदि उपभोक्ता समस्त बकाये का भुगतान तीन मासिक किश्तों के विकल्पों में करते हैं तो सरचार्ज में 90 प्रतिशत छूट का लाभ दिया जाएगा। इसी तरह से यदि उपभोक्ता समस्त बकाये का भुगतान 6 मासिक किश्तों के विकल्प चुनते हैं तो उन्हें 80 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट दी जाएगी। जो निजी नलकूप किसान उपभोक्ता निशुल्क विद्युत का लाभ लेना चाहते हैं उन्हें उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद मीटर स्थापित करने, केवाईसी अपडेट कराना होगा। बकाया का भुगतान करने की एकमुश्त व किश्तों की शर्तों को पूरा करना होगा। योजना का लाभ एक अप्रैल 2023 से उन्हीं उपभोक्ताओं को दिया जाएगा जो अपना पंजीकरण कराकर कनेक्शन के सापेक्ष 31 मार्च 2023 तक के बकाये बिल का पूर्ण भुगतान कर दिया हो।

रात में कटौती के साथ लो वोल्टेज ने बढ़ाई परेशानी

नोएडा। भीषण गर्मी के बीच बिजली कटौती ने शहर के लोगों को जीना दुश्वार कर दिया है। बिजली कब आएगी और कब चली जाएगी, इसका कोई समय निश्चित नहीं है। शनिवार रात सेक्टर-31 के सी ब्लॉक और सेक्टर-53 और गिझोड़ गांव में इसी तरह की समस्या का लोगों को सामना करना पड़ा। शनिवार रात सेक्टर-122 बिजली घर से जुड़े कई सेक्टरों में देर रात करीब तीन घंटे तक आपूर्ति बाधित रही। वहीं, विद्युत उपकेंद्र पर गायब कर्मचारियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। रविवार रात सेक्टर-31 में लगे ट्रांसफार्मर का जंफर उड़ गया। इस वजह से सी ब्लॉक निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। विद्युत उपकेंद्र और टोल नंबर पर शिकायत के बाद भी समस्या दूर नहीं हुई। फोनरवा से जुड़े पदाधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा तब कहीं जाकर विद्युत निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और खामियों को दूर कर आपूर्ति शुरू कराई। इसी तरह सेक्टर-53 और गिझोड़ गांव में दो से तीन घंटे तक कटौती के साथ लो वोल्टेज की समस्या रही ।गिझोड़ निवासी अमित का कहना है कि देर रात तक कई बार विद्युत निगम के अधिकारियों से शिकायत के बाद लो वोल्टेज की समस्या दूर हुई। वहीं, सेक्टर-122 स्थित विद्युत उपकेंद्र से रात के समय में विद्युतकर्मी गायब मिले। कटौती की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे उपभोक्ता ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल कर दिया। इसमें विद्युत निगम के अधिकारियों को टैग करते हुए आपूर्ति की व्यवस्था में सुधार लाने और लापता कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले में अधिशासी अभियंता शिवम त्रिपाठी का कहना है कि मामले की जानकारी नहीं हैं। वीडियो संज्ञान में लेकर मामले की जांच कराई जाएगी।

विंग कमांडर की पत्नी से डेढ़ लाख की ठगी

घर बैठे पैसा कमाने के झांसा देकर ठगा

नोएडा। घर बैठे काम कर लाखों रुपये प्रतिमाह कमाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने विंग कमांडर की पत्नी के साथ डेढ़ लाख से अधिक की ठगी कर ली। टेलीग्राम ऐप पर जोड़कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

शिकायत में सेक्टर-21 के जलवायु विहार निवासी अंकिता मिश्रा ने बताया कि 12 जून को उन्हें इंस्टाग्राम पर वर्क फ्रॉम होम का आफ्शन मिला। उस पर क्लिक करने पर साइबर जालसाजों ने टेलीग्राम ऐप डाउनलोड कराया। उस ऐप पर डीसीएक्स कोन आक्सिन ट्रेडिंग नाम की कंपनी में कार्यरत अंकिता बजाज, जाग्रति परमार और हानाह ने होटलों की रिव्यू रेटिंग देने का टास्क दिया। ऐसा करने पर ठगों ने 250 रुपये मुनाफा अंकिता के खाते में ट्रांसफर कर दी। इसके बाद उनसे निवेश पर तीन गुना मुनाफा कमाने का झांसा दिया गया। महिला से 15 हजार, 56 हजार, 50 हजार और 50 हजार रुपये इंटरनेट बैंकिंग के जरिये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कराए गए। इसके बाद ठगों ने कहा कि ट्रेडिंग के दौरान उनसे गलती हो गई है, इसलिए उनका खाता फ्रीज हो गया है। ठगों ने खाता खुलवाने के लिए कहा कि उन्हें इतनी ही धनराशि देनी होगी, तभी खाता खुल पाएगा। पीड़िता ने यह जानकारी पति को दी। पुलिस उन खातों की जानकारी कर रही है, जिनमें ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है। इस मामले में विशाल चौरसिया, जाग्रति परमार, हानाह व अंकिता बजाज के खिलाफ केस दर्ज हुआ है।

लिव इन फ्रेंड के साथ मिलकर की 200 वारदात

नौ साल से एक दूसरे के साथ, पहली पत्नी को छोड़ बन गया मोस्ट वांटेड, ठक-ठक गैंग का सदस्य

नोएडा। नोएडा में मुठभेड़ के बाद गिरफ्त में आया दीपक अपनी लिव इन फ्रैंड नेहा की मदद से ही चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। करीब नौ साल पहले दोनों करीब आए और दोनों लिवइन में रहने लगे। इस बीच दीपक ने अपनी पत्नी कविता को तलाक दे दिया। नेहा ठाकुर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नेहा का काम सेक्टर और सोसाइटी में घूमकर कार की रैकी करना था। रैकी के बाद वो फोन पर दीपक को कार का नंबर और लोकेशन बताना था। दीपक गैंग घटना करता था।

नेहा का काम यहां खत्म नहीं होता था। चोरी के माल को ठिकाने लगाना उसे बेचने तक की जिम्मेदारी नेहा की थी। एक बार लैपटॉप या मोबाइल मिलने पर वो गैंग के दूसरे साथी जितेंद्र से संपर्क करती थी। जितेंद्र लैपटॉप रिपेयर का काम करता है। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार किया है। जितेंद्र को वो लैपटॉप बेच देती थी। उससे पैसा लेती और दीपक को देती थी। इसी तरह गिरोह के अन्य लोगों का मॉल भी नेहा की बेचती थी। पूछताछ में दीपक ने बताया कि शक न हो इसलिए वो नेहा को ही मॉल बेचने और रैकी करने भेजता था। ये सभी ठक-ठक गिरोह के है।

पुलिस ने बताया दीपक का पुराना आपराधिक रिकार्ड रहा है। वो अब तक 200 वारदातों को अंजाम दे चुका है। नेहा का साथ मिलने पर उसने वारदात तेजी से करना शुरू किया था। शनिवार को भी वो रैकी की गई कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप चुराने जा रहा था। इस बीच पुलिस की उसके साथ मुठभेड़ हो गई और उसे और उसके साथी तरुण को गिरफ्तार किया।

पांच रुपए के सिक्के से तोड़ता था कार का शीशा

घायल बदमाश दीपक ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों के शीशों को गुलेल व लोहे की गोलियों की मदद से तोड़कर अंदर रखा लैपटॉप समेत अन्य सामान चोरी करता है। कभी-कभी कार का शीशा तोड़ने के लिए पांच रुपए के सिक्के का भी इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा लोहे के छर्रे का इस्तेमाल भी करते थे।

चोरी के लैपटॉप समेत अन्य सामान को दीपक की पत्नी नेहा गिरोह के ही सदस्य जितेंद्र को बेचती है। सिक्के को गुलेल में फंसाकर आसानी से तोड़ देते थे।

शक न हो इसलिए नेहा को रैकी के लिए भेजते थे

घायल बदमाश दीपक की लिव इन फ्रेंड नेहा रैकी करती थी। महिला होने के कारण जब वह गाड़ियों के आसपास घूमती है तो किसी को शक नहीं होता कि वह रैकी कर रही है। कई बार पुलिस की नजर से बचने के लिए गिरोह के सदस्य लोहे की गोली की जगह जेब में पांच रुपए के सिक्के रखते हैं। गुलेल में सिक्के को फंसाकर बदमाश कुछ ही सेकेंड में कार का शीशा तोड़ देते हैं। घायल बदमाश तरुण के खिलाफ भी अलग-अलग थानों में सात केस दर्ज हैं। नेहा और जितेंद्र का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है।

दिन में तीन से आठ वारदातों को देता था अंजाम

एडिशनल डीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि दीपक सेक्टर-39 और हापुड़ पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में कई बार घायल हो चुका है। वह कई बार जेल भी जा चुका है। जेल से बाहर आते ही वह फिर से वारदात करना शुरू कर देता है। रेकी और चोरी के सामान का निपटारा करने का जिम्मा नेहा पर रहता है।

दीपक और तरुण के खिलाफ नोएडा पुलिस गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई करने की बात कह रही है। दोनों की चल और अचल संपत्ति की पहचान कर उसे कुर्क किया जाएगा। गिरोह के सदस्य एक ही दिन में तीन से आठ वारदात तक कर डालते हैं।

नोएडा में जुलाई में शुरू होगा थीम-बेस्ड पार्क का काम

5 पार्क को बनाने में खर्च किए जाएंगे 160 करोड़, जारी किए जा रहे टेंडर

नोएडा। नोएडा अब थीम बेस्ड पार्क का निर्माण जुलाई में शुरू होगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया होने जा रही है। इसमें रामवन गमन थीम पार्क, जापानी पार्क, आर्य मंडल पार्क , शहीदों के नाम वीर रथ पार्क और राज उपवन पार्क शामिल है। इन चारों पार्क का शिलान्यास पीएम मोदी ने एक कार्यक्रम के दौरान किया था। इस पार्क का निर्माण एक साल में पूरा किया जाएगा। इन कंपनियों ने अलग-अलग पार्क का डिजाइन तैयार किया है। जिनका प्रेजेंटेशन प्राधिकरण सीईओ के सामने दिया गया था। इसमें कुछ संशोधन के बाद पार्क का निर्माण कार्य कराने के लिए बोला गया है। इन पार्क के निर्माण में 160 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

रामवन गमन थीम पार्क

नोएडा में राम वन गमन पथ की थीम पर सेक्टर-112 में बनाया जाएगा। 11.70 एकड़ में बनेगा। श्रीराम वन गमन पथ के रास्ते में श्लोक के माध्यम से पूरी रामायण को चित्रित किया जाएगा। इसके जरिए लोगों को श्रीराम

पथ की विशेषताओं की जानकारी मिलेगी। इन रास्तों पर किनारे जगह-जगह साइन बोर्ड, श्रीराम के वनवास से जुड़ी कथाएं देखने और सुनने को मिलेंगी। इन रास्तों पर कई तरह के पेड़ लगाए जाएंगे।

वीर रथ पार्क

नोएडा के सेक्टर-145 नलगढ़ा में इस पार्क का निर्माण 23 एकड़ में किया जाएगा। इस पार्क को शहीदों के नाम पर बनाया जाएगा। नलगढ़ा वहीं गांव है जहां भगत सिंह और उनके साथियों ने मिलकर बम बनाया था। जिसे असैंबली में फेका गया था। हालांकि यहां पहले शहीद भगत सिंह पार्क बनाया जाना था।

जापानी पार्क

जापानी संस्कृति के उन पहलुओं जिसमें प्रकृति प्रेम, शांति और अध्यात्म के गुणों से लबरेज एक थीम पार्क नोएडा प्राधिकरण बनाएगा। यहां कुछ ऐसे पेड़ पौधे मियावाकी तकनीकी से भी उगाए जाएंगे जो महज 2 से 3 साल में घने जंगल का रूप लेंगे। इस पार्क का निर्माण 7 एकड़ में सेक्टर-94 के किया जाएगा। इसके निर्माण में 10.97 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

आर्यमंडल पार्क

इस पार्क को आर्य भट्ट को समर्पित किया गया है। जिसमें गणितज्ञ आर्यभट्ट के जीवन और उनकी उपलब्धियों को दर्शाया जाएगा। आर्यभट्ट को समर्पित इस पार्क सेक्टर-116 में 35 एकड़ में बनाया जाएगा। इस पार्क के निर्माण में 48.36 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस पार्क में एक तारा मंडल बनाने पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा इसमें तमाम गणितज्ञ, आचार्य और खगोलशास्त्रियों के स्कल्पर भी बनाए जाएंगे।

राज उपवन पार्क

इस पार्क का निर्माण नोएडा में करीब 40 एकड़ में किया जाएगा। ये पार्क एक ग्रीन बेल्ट के तौर पर विकसित किया जाएगा। जिसमें लैंड स्केपिंग की जाएगदी। इसके अलावा इसमें टहलने के लिए वाकिंग स्ट्रीट और बैठने के लिए बैंच आदि बनाए जाएंगे।

हिंडन नदी से निकाला कूड़ा, माह में एक दिन चलेगा अभियान

ग्रेटर नोएडा। जिला प्रशासन ने रविवार को हिंडन नदी को साफ करने का अभियान शुरू किया। जिलाधिकारी के साथ-साथ अन्य अफसरों ने एनजीओ के सदस्यों के साथ मिलकर हिंडन से कूड़ा निकाला। वहीं, अब हर माह के तीसरे रविवार को हिंडन नदी को साफ करने का अभियान चलेगा। इस संबंध में डीएम ने संबंधित विभाग को तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। रविवार सुबह जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में टीम सेक्टर-144 के पास हिंडन के डूब क्षेत्र में पहुंची। वॉलंटियर्स-137 और एसएस फाउंडेशन के सदस्य भी मौजूद थे। सुबह करीब एक घंटे तक नदी से कूड़ा निकालने और गंदगी हटाने का काम किया गया। जिलाधिकारी ने भी फावड़े की मदद से कूड़ा निकलकर सभी को नदी की साफ सफाई करने के लिए प्रेरित किया। डीएम ने कहा कि नदी को साफ रखने का सभी का दायित्व हैं। ऐसे में इस अभियान से अधिक से अधिक संख्या में लोगों को जुड़ना चाहिए।

श्रीराधा स्काई गार्डन सोसाइटी के निवासियों ने किया प्रदर्शन

निवासियों ने कहा- मांगे पूरी नहीं होने तक हफ्ते दर हफ्ते जारी रहेगा प्रदर्शन

गौतम बुद्ध नगर। श्रीराधा स्काई गार्डन सोसाइटी में सैकड़ों निवासियों ने लगातार सातवें सप्ताह भी चिलचिलाती धूप एवं कड़ी दोपहर में जमकर हल्ला बोला। बिल्डर के खिलाफ सोसाइटी के निवासी इकट्ठा हुए और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

निवासियों ने बताया कि श्री राधा स्काई गार्डन सोसाइटी में मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है एवं जानलेवा समस्याये है ।बिल्डर के नाजायज लूट और मूलभूत सुविधाओं की कमी के खिलाफ श्री राधा स्काई गार्डन सोसाइटी निवासी आज फिर चिलचिलाती धूप में लगातार सातवें सप्ताह भी बिल्डर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। निवासियों को प्रदर्शन करते हुए सात हफ्ते हो गए लेकिन बिल्डर ने ना तो नाजायज वसूली बंद की और नाही मूलभूत

सुविधाओं में कोई सुधार किया।

निवासियों ने बताया कि उन्होंने भी ठान रखा है कि जब तक परियोजना के असली मालिक का पता नहीं चलता। मालिक अपनी जिम्मेदारियों को निभाना शुरू नहीं करता और जब तक मूलभूत सुविधाएं पूरी नहीं होती। हफ्ते दर हफ्ते प्रदर्शन जारी रहेगा।

क्योंकि ये बिल्डर पिछले कई सालों में श्री ग्रुप बिल्डर ने आज तक ना तो मूलभूत सुविधाओं एवं जानमाल से संबंधित पेंडिंग प्रोजेक्ट के काम को पूरा करने के लिए कोई काम नहीं किया। निवासियों ने बताया कि आज करीब 8-10 सालों से सोसाइटी चल रही है बावजूद इसके ना तो सोसायटी में फायर फाइटिंग इक्विपमेंट्स है, पूरे बेसमेंट में सीपेज एवं लीकेज है जिससे सोसायटी के टावर कमजोर होते जा रहे है ना ही स्विमिंग में गंदा पानी दिखाने के लिए भर दिया एवं लोगों को बीमार करवाने का पूरा इंतेज़ाम कर दिया है और ना ही क्लब हाउस पूरा बनाया है, सिक्योरिटी एवं हाउसकीपिंग स्टाफ भी आधा कर दिया है ।

सड़क हादसा : गंगा स्नान कर लौट रही 2 महिलाओं समेत 3 की मौत

एटा। एटा में ट्रैक्टर ट्राली और ऑल्टो कार की आमने सामने की टक्कर में गंगा दशहरा पर कासगंज के सोरों से गंगा स्नान कर लौट रहे कार सवार 3 श्रद्धालुओं की मौत हो गयी। दो गंभीर घायल हो गए। घायलों को एटा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

मृतकों में सरला देवी (60), पिंकी (40) और गिरीश (45) शामिल हैं। जबकि गोविंद और कुमारी दया गंभीर रूप से घायल हुई हैं। ये सभी लोग फिरोजाबाद के सिरसागंज, शिकोहाबाद और आगरा के एक ही परिवार के रिश्तेदार हैं। हादसा शिकोहाबाद रोड पर हुआ है।

रात 11 बजे लौट रहे थे

सभी श्रद्धालु फिरोजाबाद जनपद के शिकोहाबाद से रात 11 बजे दो कारों में सवार होकर कासगंज जनपद की तीर्थ नगरी सोरों में गंगा दशहरा पर गंगा स्नान करने गए थे। गंगा स्नान कर वापस लौटते समय एटा में रिजोर थाना क्षेत्र में शिकोहाबाद रोड पर ये हादसा हुआ।

सूचना पर एटा के एसएसपी राजेश कुमार सिंह ने पुलिस फोर्स के साथ घटना स्थल का निरीक्षण कर घायलों को एटा मेडिकल कॉलेज में भिजवाया। एसएसपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि दो गाड़ियों में सवार होकर ये श्रद्धालु रात 11 बजे शिकोहाबाद से कासगंज जनपद के सोरों जी में गंगा स्नान करने गए थे। वहां रात 3 बजे पहुंचे। सुबह 6 बजे वहां से स्नान करके वापस चले।

ऑल्टो 5 में लोग सवार थे

सुबह 8 बजे के लगभग एटा जनपद के रिजोर रोड पर घटना हुई। ऑल्टो कार में 5 लोग सवार थे जो शिकोहाबाद, सिरसागंज और आगरा के एक ही परिवार के रिश्तेदार थे। इनमें से 3 की मौत हुई है व दो घायल हुये हैं। उनका इलाज एटा मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। उन्होंने बताया कि ओवरटेक करने के चक्कर में ऑल्टो कार सामने से आ रही खाली ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गयी। तत्काल एम्बुलेंस से मृतकों व घायलों को एटा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। पुलिस प्रशासन घायलों का बढ़िया से बढ़िया इलाज करवाने के लिए प्रयत्नशील है।

बाराबंकी में दो पक्षों के बीच झड़प,एक की मौत,छह घायल

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के कटियारा गांव में रविवार की सुबह भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठियां चलीं जिसमें एक अधेड़ की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गए। मृतक व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया है। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात है। घायलों का इलाज निकट के अस्पताल में किया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना रामनगर क्षेत्र के कटियारा गांव में खेत की मेड़ को लेकर दो पक्षों में कई दिनों से विवाद चल रहा था। आज सुबह इसी को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। फिर देखते-देखते मारपीट होने लगी और लाठियां निकल आईं। दोनों पक्षों की तरफ से लाठियां चलने लगीं। मारपीट में गंभीर चोट आने से सहजराम (50) की मौत हो गई वहीं छह अन्य घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात संभाले।

बदायूं में किसान को सांड ने पटककर मार डाला

बदायूं। उत्तर प्रदेश के जनपद बदायूं के दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव सिमरी बौरा में शनिवार शाम सांड़ ने किसान अतरपाल को पटककर मार डाला।

किसान शनिवार शाम अपने खेत पर फसल की रखवाली करने गया था। वहां सांड़ फसल को चर रहा था। किसान अतरपाल ने सांड़ को खेत से निकालने की कोशिश की तो सांड ने उन पर हमला कर दिया जिसमें वह बुरी तरह से घायल हो गए।

परिजन अतरपाल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां से डॉक्टर ने उनको जिला अस्पताल रेफर कर दिया इलाज के दौरान देर रात अतहरपाल की मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्राम सिमरी बौरा निवासी अतरपाल खेतीबाड़ी करते थे। वह शनिवार शाम करीब चार बजे अपने खेत पर फसल देखने गए थे। उनके खेत में चरी की फसल है। उसमें सांड़ घुसकर फसल चर रहा था जैसे ही सांड़ को बाहर निकालने की कोशिश की तभी सांड़ ने पटक दिया। चीख-पुकार सुनकर नजदीक से गुजर रहे

ट्रैक्टर चालक ने भी उनको बचाने की कोशिश लेकिन ट्रैक्टर चालक कामयाब नहीं हो पाया। सांड़ का सींग उनके पेट में घुस गया। तब तक गांव से कई लोग लाठी-डंडे लेकर आ गए। उन्होंने सांड़ को बमुश्किल भगाया। घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी गई है।

दातागंज कोतवाली के इंस्पेक्टर अरिहंत कुमार सिद्धार्थ ने बताया कि सूचना आई है। किसान के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा हैद्य

उप जिलाधिकारी दातागंज धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया है कि राजस्व विभाग की टीम को गांव भेजा गया है।

शार्ट न्यूज

प्रोजेक्ट नई किरण ने तीन परिवार का कराया पुनर्मिलन

ललितपुर। स्थानीय पुलिस लाइन्स सभागार में पुलिस अधीक्षक ललितपुर के निर्देशन में प्रोजेक्ट नई किरण का आयोजन किया गया, जिसमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझाने के बाद 03 परिवार में आपसी सुलह के आधार पर समझौता कराया गया, 03 परिवार खुशी-खुशी, साथ-साथ रहने को तैयार हो गये एवं आपस में मिठाई खिलाकर रिश्तों की मिठास का दिया संदेश व 07 मामलों में अग्रिम तिथि दी गई। नई किरण प्रोजेक्ट से जनपद में बिखरे हुए परिवारों को जोडकर उनके दाम्पत्य जीवन में एक नई रोशनी आयेगी, प्रोजेक्ट नई किरण के अन्तर्गत बिखरे परिवार को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। इस पुनीत कार्य में नई किरण प्रोजेक्ट के सदस्य अजय बरया, डॉ. श्री दीपक चौबे, डॉ सुभाष जैन, डॉ. जनक किशोरी शर्मा, श्रीमती सुधा कुशवाहा, डॉ0 एस.पी.पाठक , एड.अरमान अजीज कुरैशी नई किरण में स्श महिला थाना पारुल सिंह, महिला आरक्षी नीलम आदि का विशेष सहयोग रहा।

पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

ललितपुर। बानपुर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी महरौनी अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अवैध शराब/मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रंम में एक नफर अभियुक्त/वारण्टी राजपाल पुत्र बुद्धराम उम्र करीब 33 वर्ष निवासी ग्राम कुआगाँव थाना बानपुर जनपद ललितपुर सम्बन्धित मु0नं0 193/2022 धारा 60(1) EX में वारंटी अभि0 को ग्राम कुआगांव थाना बानपुर से हिरासत पुलिस में लिया गया। वारंटी उपरोक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा उ0नि0 निखिल मलिक उ0नि0 फारूख अहमद कां0 शिवनन्दन कां0 पंकज कुमार आदि शामिल रहे।

दहेज हत्यारोपी महिला सहित तीन गिरफ्तार, भेजा जेल

ललितपुर। पाली, पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पाली रक्षपाल सिंह के निकट पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तो की गिरफ्तारी/धरपकड के चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पाली पुलिस द्वारा मु.अ.स.84/24 धारा 498ए/304बी भादवि व DPACT से सम्बन्धित 03 वांछित अभियुक्तगण राजकुमार पुत्र पुनू ढीमर उम्र करीब 42 वर्ष, हेमन्त पुत्र राजकुमार ढीमर उम्र करीब 22 वर्ष, नोनी बहु पत्नी राजकुमार ढीमर उम्र करीब 38 वर्ष नि.गण ग्राम बंगरिया थाना पाली को बंगरिया तिराहा थाना पाली से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण को मा. न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम अनुराग अवस्थी प्रभारी निरीक्षक उ.नि. सुरेश कुमार चतुर्वेदी हे. का. अनुरूद्ध कुमार हे.का. शैलेन्द्र म.का. संगीता आदि शामिल रही।

लखनऊ में मोबाइल लुटेरे गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में पीजीआई थाना क्षेत्र की पुलिस ने 2 शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक बाइक और लूटी गई मोबाइल बरामद की गई है। आरोप है कि वे दोनों मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों को निशाना बनाते थे और उनके मोबाइल छीनकर फरार हो जाते थे। पीजीआई थाना प्रभारी बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि बीते 10 जून को एसके पटेल मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। वे घर से कुछ दूर ही पहुंचे थे कि पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों झपट्टा मारकर उनका फोन छीन लिया। उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई थी। पीड़ित एसके पटेल की शिकायत पर लुटेरों की तलाश की जा रही थी। रविवार को मुखबिर की सूचना पर बरौली नहर के पास से एक बाइक पर सवार दो युवकों को दबोच लिया गया। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम मोहित ओझा और शिवा कश्यप बताया। दोनों बारा बीरवा थाना कृष्णानगर के रहने वाले हैं। मोहित 2021 में चोरी के मामले में जेल जा चुका है।

जीआरपी और आरपीएफ टीम ने युवक को दबोचा

चंदौली। चंदौली के दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर तैनात जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने जांच के दौरान एक संदिग्ध युवक को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान युवक के पास मौजूद बैग से 8 लाख रुपए कीमत की चांदी की सिल्ली बरामद हुई। जिसके बारे में पूछने पर युवक संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। ऐसे में टीम ने आयकर विभाग के अधिकारियों को सूचना देने के बाद आरोपी को सुपुर्द कर दिया। फिलहाल इनकम टैक्स विभाग की टीम आरोपी से पूछताछ में जुटी हैं। दरअसल, जीआरपी में तैनात उपनिरीक्षक मुन्नालाल और आरपीएफ की टीम के लोग संयुक्त रूप से डीडीयू जंक्शन पर संदिग्ध लोगों की जांच में जुटे थे। इसी बीच टीम के लोगों ने प्लेटफार्म संख्या चार पर खड़े एक युवक को पूछताछ के लिए रोक लिया। इसी दौरान युवक के पास मौजूद बैग की तलाशी के दौरान 9.200 किलो की चांदी की सिल्ली बरामद हुई। जिसके बारे में पूछने पर युवक संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। युवक की शिनाख्त वाराणसी जिले के राज मंदिर क्षेत्र के पवन उपाध्याय के रूप में हुई।

बदायूं में फंदे से लटका मिला महिला का शव

बदायूं। बदायूं में महिला की लाश फंदे से लटकी मिली। महिला ने छह महीने पहले रेप का मुकदमा भी लिखाया था। मामले की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। परिवार वालों का कहना है कि उसके मुंह में कपड़ा ठुंसा था। जबकि पुलिस का तर्क है कि जिस कपड़े का फंदा बनाय था, वो खिंचकर मुंह के पास आ गया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटनाक्रम कोतवाली दातागंज इलाके के एक गांव का है। यहां रहने वाली महिला की शादी कुछ साल पहले उझानी कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले युवक के साथ हुई थी। कुछ महीने पहले महिला के पति की सड़क हादसे में मौत हो गई। ऐसे में वह पारिवारिक कारणों के चलते अपने मायके में आकर रहने लगी थी। जबकि उसका शव गांव में पीपल के पेड़ से लटका मिला। पुलिस के मुताबिक महिला ने छह महीने पहले गांव के ही एक युवक के खिलाफ रेप का केस भी दर्ज कराया था। इसी बात पर गांव के उस पक्ष से इस परिवार की रंजिश चल रही थी। महिला के तीन छोटे बच्चे भी हैं, जो उसकी मौत के साथ ही अनाथ हो गए हैं। एसएचओ अरिहंत सिद्धार्थ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

मऊ में मामा ने भांजी के साथ किया दुष्कर्म

मऊ। मऊ में रिश्तों की मर्यादा को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में घोर निंदा की जा रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि मामा ने अपनी ही भांजी के साथ दुष्कर्म जैसी घिनौनी घटना को अंजाम दे दिया है। इस मामले में परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आपको बता दें कि नगर के दक्षिण टोला थाना क्षेत्र इलाके में एक सात वर्षीय मासूम बच्ची के साथ उसके मामा ने दुष्कर्म जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया है। दुष्कर्म के इस वारदात से बच्ची की हालत गंभीर हो गई। आरोपी मामा मौके से फरार हो गया। बच्ची की गंभीर हालत को देख मां बदहवास हो गई। रोने की आवाज सुनकर वहां लोगों की भीड़ लग गयी। स्थानीय लोगों की मदद से आनन-फानन में बच्ची को महिला जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां उसको प्राथमिक इलाज के बाद आजमगढ़ स्थित ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

जालौन में हेड कॉन्स्टेबल ने गर्दन काटकर दी जान

जालौन। जालौन में हेड कॉन्स्टेबल ने अपने सरकारी आवास में चाकू से गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली। इससे पहले फंदा लगाकर जान देने की कोशिश की, मगर रस्सी टूट गई। कमरे में पंखे से बंधी रस्सी भी मिली। सूचना मिलते ही कैलिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। घटना की जानकारी स्क ईरज राजा को दी गई।

वह फोरेंसिक टीम के साथ सिपाही के आवास पर पहुंचे और लोगों से पूछताछ की। कॉन्स्टेबल के बेटे का कहना है, पापा की हत्या हुई है। मामला कैलिया थाना परिसर में बने सरकारी आवास का है।

एक साल से कैलिया थाने में थे तैनात

कन्नौज के पदारसपुर के रहने वाले वीरेंद्र कुमार की 1995 में पुलिस विभाग में आरक्षी (कॉन्स्टेबल) के पद पर तैनाती हुई थी। पिछले एक साल से वह जालौन के कैलिया थाने में हेड कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात थे। रविवार सुबह उन्होंने चाकू से खुद की गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी तब हुई, जब उनके साथ तैनात पुलिसकर्मी उन्हें बुलाने कमरे में गए। वहां वीरेंद्र कुमार का शव खून से लथपथ पड़ा था।

साथी पुलिसकर्मियों ने शव देख एसओ को बुलाया

साथी पुलिसकर्मियों ने तुरंत मामले की जानकारी थाना प्रभारी राजीव कुमार वैस को दी। वह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर जांच पड़ताल की। कुछ देर बाद पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा, फोरेंसिक टीम और अपर पुलिस अधीक्षक असीम चौधरी के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने सभी पहलुओं पर जांच की।

बेटा बोला- मेरे पिता की हत्या की गई

एसपी ने ही घटना की सूचना हेड कॉन्स्टेबल वीरेंद्र के घरवालों को भी दी। सूचना पर मृतक का बेटा अभिषेक सिंह और साले राजेश सिंह भी पहुंच गए। पिता का खून से लथपथ शव देखकर बेटे अभिषेक सिंह ने उनकी हत्या की आशंका जताई।

होटल में ले जाकर प्रेमी के हाथ-पैर बांधे, गला रेता

लखनऊ। लखनऊ में प्रेमिका ने प्रेमी का गला रेत दिया और फरार हो गई। गंभीर हालत में लड़के कोचतरूमें भर्ती कराया गया। लड़के के गले में 28 से ज्यादा टांके लगे हैं। पुलिस ने लड़की को गिरफ्तार कर लिया है। उसने अपना जुर्म भी कबूल किया है। अस्पताल में भर्ती लड़के ने बताया, पहले हम दोनों वाटर पार्क गए। यहां करीब 5 घंटे रुके। शाम को हम होटल आ गए। वह शादी करने का दबाव डालने लगी। हमने उसे काफी समझाया। लेकिन वह कुछ सुनने के लिए तैयार नहीं थी। अपनी बातों में उलझा कर मेरे हाथ पैर दुपट्टे से बांध दी। मैं कुछ समझ पाता इससे पहले मेरा गला रेत दिया। गुरुवार (13 जून) को प्रेमिका रेनू ने प्रेमी अंकित को मिलने के लिए बुलाया। कमरा नंबर 207 में दोनों रुके। शुक्रवार (14 जून) तड़के चार बजे कमरे से चीखने की आवाज आई। होटल कर्मचारी पहुंचे तो देखा कि युवक जमीन पर खून से लथपथ पड़ा था। जिस लड़की के साथ आया था, वह फरार थी। कर्मचारियों ने सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल लड़के को अस्पताल में भर्ती कराया और पूरे मामले की जानकारी ली।

अलीगढ़ में ऑपरेशन में लापरवाही, एएमयू प्रोफेसर की हुई मौत

एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में ऑपरेशन के बाद एएमयू के एसोसिएट प्रोफेसर रामपाल सिंह ढाका की मौत हो गई। प्रोफेसर की मौत के बाद शनिवार रात परिवार के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। अस्पताल के संचालकों और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

हंगामे की सूचना पर क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। प्रोफेसर की मौत के बाद परिवार के लोग डॉक्टरों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। लेकिन, पुलिस शव का पोस्टमॉर्टम नहीं करा रही थी। शव का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए परिवार के लोग 3 घंटे तक थाने पर बैठे रहे।

अधिकारियों के आदेश के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए शव भेजा

भाई मुकुंद सिंह ने बताया कि घटना के बाद पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही थी। तीन घंटे तक वह सिविल लाइंस थाने में चक्कर लगाते रहे, लेकिन पुलिस शव का पोस्टमॉर्टम नहीं करा रही थी। पुलिस लगातार उन्हें टाल रही थी। इसके बाद उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से मामले की शिकायत की। प्रशासनिक अधिकारियों के आदेश के बाद सिविल लाइंस पुलिस ने रविवार को शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए वह पुलिस को लिखित शिकायत दे रहे हैं, जिससे आरोपी डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई हो सके। सीओ थर्ड एएसपी अमृत जैन ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कृषि विभाग में एसोशिएट प्रोफेसर थे

मृतक प्रोफेसर के भाई मुकुंद सिंह ने बताया कि उनके बड़े भाई रामपाल सिंह ढाका, रू के कृषि विभाग में एसोशिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे।

उनके मह में दिक्कत थी, जिसके चलते उन्होंने मुह के अंदर तालु का ऑपरेशन कराया था। एक निजी अस्पताल में शनिवार को उनका ऑपरेशन हुआ था और मेडिकल कालेज के डॉक्टरों ने ही किया था।

शनिवार की रात 9 बजे उनका ऑपरेशन किया गया था, जिसके बाद उनकी हालत खराब होना शुरू हो गई। ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर रख दिया। देर रात तक उनका इलाज चलता रहा। बाद में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भाई ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन के दौरान लापरवाही के कारण रामपाल की मौत हुई है। आरोपियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

अयोध्या में फंदे पर मिला प्रोफेसर की पत्नी का शव

2 साल पहले हुई थी शादी, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के सरकारी आवास में मिली लाश

अयोध्या (मिल्कीपुर)। अयोध्या में असिस्टेंट प्रोफेसर की पत्नी का शव सरकारी आवास में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।मामला कुमारगंज पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के सरकारी आवास का है।

पति अनूप सिंह ने बताया किसी तरह से नेहा को फंदे से नीचे उतारा और अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने महिला को इमरजेंसी कक्ष में लाने की बात कहते हुए हालत नाजुक बताई। इतने में कार में सवार तीनों लोग

महिला को जिला अस्पताल ले जाने की बात कहते हुए लेकर चले गए थे।

2 साल पहले हुई थी शादी

चंदौली के नेहरू नगर निवासी अनूप सिंह की कृषि विश्वविद्यालय के कॉलेज आफ वेटरनरी में सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्ति हुई थी। 2022 में उनका विवाह नेहा कुमारी पुत्री संजय सिंह निवासी यारपुरा थाना गर्दनी बाग पटना के साथ हुआ था। उनके 9 माह का एक बेटा भी है। वह कृषि विश्वविद्यालय के मकान संख्या बी - 87 में परिवार के साथ रहते हैं। शनिवार की देर रात उनकी पत्नी नेहा कुमारी दुपट्टे के सहारे पंखे से लटकी मिली थी।

बंद कमरे का ताला तोड़कर कमरे में पहुंची पुलिस

रविवार दोपहर क्षेत्राधिकारी सुनील सिंह, एसएचओ रतन सिंह एवं फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रभारी सुरक्षा अधिकारी डॉ. एसपी सिंह की मौजूदगी में सहायक प्राध्यापक के बंद कमरे का ताला तुड़वाकर गहन छानबीन की। सीओ ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद घटना के संबंध में कुछ कहा जा सकेगा। फिलहाल अभी परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल पर जांच कर रही है। जिला अस्पताल के सूत्रों का कहना है कि जिस कार से महिला को लेकर परिजन आए थे। उसमें सवार तीनों लोग शराब के नशे में धुत थे।

उन्नाव में युवक का फंदे से लटका मिला शव

उन्नाव। उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र के प्रतापखेड़ा गांव के रहने वाले युवक का रविवार को संदिग्ध हालत में घर के बरामदे में फंदे पर शव लटका मिला। परिजनों का आरोप कि पुलिस के भय से तनाव में आकर युवक ने घटना को अंजाम से डाला है। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है। औरास थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक युवती चार दिन पहले अपने परिवार के साथ चंडीगढ से अपने घर आई थी। इसी बीच वह अचानक घर से गायब होकर किसी के साथ चली गई। जिस पर परिजनों ने शक के आधार पर प्रतापखेड़ा गांव के रहने वाले मुनीर के 22 वर्षीय बेटे सलीम अहमद व दो अन्य लोगों के खिलाफ थाना में तहरीर दी गई थी। जिसके सम्बन्ध में शनिवार को औरास पुलिस सलीम अहमद के गांव जाकर पूछताछ के लिए रविवार को उसे थाने पर आने के लिए कहा था। इसी अवसाद में आकर सलीम अहमद ने रविवार को अपने घर के अंदर बरामदे में दुप्पट्टे से फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह परिजनों की जब आंख खुली तो बरामदे में सलीम का शव लटका देख चीख पुकार मचने लगी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। युवती किसके साथ गई पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। मृतक सलीम अहमद अविवाहित था।

गंगा दशहरे में घूमने आईं दो लड़कियां डूबीं, मौत

एजेंसी

शामली। शामली की कैराना कोतवाली क्षेत्र के पूर्वी यमुना नहर में गंगा दशहरा पर अपने परिजनों के साथ नहाने आई दो लड़कियों की डूबने से मौत हो गई है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं दोनों लड़की आपस में रिश्ते में बहने थीं।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। वहीं यमुना नहर पर गंगा दशहरा के दिन भी स्नान स्थल के मौके पर स्थानीय शासन प्रशासन के द्वारा कोई भी सुरक्षा के बंदोबस्त नहीं थे।

मामला जनपद की कैराना कोतवाली क्षेत्र के पूर्वी यमुनानगर ब्रिज का है।

पानीपत के रहने वाले मुल्तान सिंह और सुरेश सिंह अपने परिवार के साथ यमुना ब्रिज के पास गंगा दशहरा के उपलक्ष में यमुना नदी में नहाने के लिए आए थे। यहां उनके परिवार में सुरेश पाल की लड़की स्नेहा (13) और मुल्तान सिंह की लड़की आशु (18) नहाते वक्त यमुना नदी में डूब गई।

घटना के बाद कड़ी मशक्कत के बाद परिजनों ने दोनों बच्चियों को बाहर निकाला।

यमुना ब्रिज चौकी पर तैनात पुलिस कर्मियों की मदद से कैराना सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां मौके पर पहुंचे डॉक्टर ने दोनों बच्चियों को मृत घोषित कर दिया।

यहां पर गंगा दशहरा के दिन यूपी हरियाणा के लोग हजारों की संख्या में आकर स्नान करते हैं।

गंगा दशहरा के पर्व को ध्यान में रखते हुए भी जनपद के शासन प्रशासन के द्वारा स्नान स्थल पर ना तो कोई सुरक्षा के लिए पुलिस की व्यवस्था की गई, ना ही नहाने वालों को बचाने के लिए गोताखोर की व्यवस्था की गई।

जमीनी विवाद में वृद्ध की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या

जौनपुर। उत्तरप्रदेश के जौनपुर जिले में चन्दवक थाना क्षेत्र के लेवरूआ गांव में रविवार को जमीनी विवाद में नांद रखने को लेकर हुए खूनी संघर्ष में एक वृद्ध की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। इस सनसनीखेज वारदात से गांव में तनाव का माहौल कायम हो गया है। पुलिस के अनुसार जिले के चन्दवक थाना क्षेत्र में लेवरूवा गांव के निवासी धर्मेंद्र यादव व पड़ोसी धर्मदेव गौड़ के बीच जमीन विवाद चला आ रहा है। आज धर्मेद ने धर्मदेव के जमीन पर भैंस को खाने के लिए नाद रख दिया, विरोध करने पर धर्मेंद्र व उनके परिवार के लोग लाठी डंडे से हमला बोल दिया। इस घटना में धर्मदेव (65) की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक नगर ब्रजेश कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। मौके पर एहतियात के तौर पर पुलिस तैनात कर दी गई है ताकि शांति-व्यवस्था कायम रहे।

गंगा दशहरा के अवसर पर संगम तट पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

प्रयागराज। पतित पावनी गंगा, श्यामल यमुना और अन्त: सलिल स्परूपा में प्रवाहित सरस्वती के संगम की धारा में गंगा दशहरा के अवसर पर रविवार को पांच लाख से अधिक की संख्या में श्रद्धलुओं ने चार-चार दुर्लभ संयोग के बीच आस्था की डुबकी लगायी।

सूर्य देव की तपिश पर श्रद्धालुओं की आस्था भारी दिखी। गंगा दशहरा के शुभ मुहूर्त में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोर से ही गंगा स्नान के लिए संगम पर पहुंचे। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की बहती धारा के बीच बच्चे, युवा, बुजुर्ग एवं महिलाओं ने आस्था की डुबकी लगायी। त्रिवेणी में स्नान कर सूर्य देव को अर्घ्य दिया,मां गंगा की विधि-विधान से पूजन-अर्चना कर महिलाओं ने परिजनों के स्वास्थ्य लाभ और कुशलता के लिए मां गंगा से प्रार्थना किया। महिलाओं ने मां गंगा को दुग्ध भी अर्पित किया। बच्चों ने गर्मी का पूरा आनंद संगम में गोता लगाकर लिया।

तपिश के बावजूद श्रद्धलुओं की आस्था पर सूर्य की तपिश का लेसमात्र असर नहीं दिखा। लोग आस्था की डुबकी लगाते रहे और गंगा मइया, भोले नाथ का स्मरण करते रहे। भोर से ही गंगा स्नान और दान का सिलिसला चल रहा।

लोग स्नान करने के लिए संगम तट, दशवाश्मेध घाट , वीआईपी घाट, बलुआघाट समेत अन्य घाटों पर श्रद्धालु पहुंचे हैं। घाट पर मौजूद पुरोहितों के माध्यम से पूजा पाठ कराया गया।

श्रद्धालु स्नान के बाद तीर्थपुरोहितों को दान दक्षिण देकर उनका आर्शीवाद लिया। श्रद्धालु स्नान के बाद बंधवा स्थित लेटे लेटे हनुमान जी, अलोपी देवी मंदिर, तक्षकेश्वरनाथ समेत ताम छोअे-बड़े मंदिरों में जलाभिषेक एवं पुष्प अर्पित कर देवालयों में पूजन अर्चना किया।

वैदिक शोध एवं सांस्कृतिक प्रतिष्ठान कर्मकांड प्रशिक्षण केन्द्र के पूर्व आचार्य डा आत्माराम गौतम ने बताया कि इस बार गंगा दशहरा के मौके पर हस्त नक्षत्र, सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ अमृत योग और रवि योग का भी दुर्लभ संयोग बना है। आज के दिन मान्यता है कि गंगा स्नान करने से हर तरह के पापों से मुक्ति मिल जाती है। इससे पूवर्ज भी खुश होते हैं और उनका आशीर्वाद मिलता है। उन्होंने बताया कि गंगा तो स्वयं जीवन दायिनी और मोक्षदायीनि है। इसमें स्नान करना अपने आप में बहुत सौभाग्य की बात है। गंगा दशहरा पर स्नान करना तो 'सोने पे सुहागा' है।

पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के रींवा से पति मोहन सिंह साथ पहुंची रेणुका सिंह ने बताया कि संगम में गंगा दशहरा के अवसर पर आस्था की डुबकी लगाने का सौभाग्य मिला। उन्होंने बताया कि वह अल्लापुर में अपने एक रिश्तेदार के यहां

दो दिन पहले आर्यी थीं। यहां पर सभी चीजें अच्छी प्रकार से हैं लेकिन पवित्र गंगा के जल में लोगों को थूकते देख मन दु: खी होता है।

खतरनाक जेल : जहां सूरज की रोशनी भी नसीब नहीं होती, लोहे के बिस्तर पर सोते हैं कैदी

लंदन - दुनिया में जैसे-जैसे जुर्म बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे बेहतर और सुरक्षित जेलों की जरूरत पड़ना लाजमी है। ऐसे में कई देशों ने अपने यहां ऐसे स्पेशल जेल बनाए हैं, जिसमें चिड़िया भी परिंदा भी पर नहीं मार सकता। सेंट्रल अमेरिका में मौजूद देश, एल सैलवाडोर भी ऐसा ही एक देश है, जहां एक खास तरह का जेल बनाया गया है। इस जेल में बेहद खूंखार कैदी होते हैं। यूं तो इस जेल में 40 हजार कैदी रह सकते हैं, मगर उनके रहने की जो स्थिति है, वो बेहद बुरी है और अंदर की तस्वीरें आपको हैरान कर देंगी। इस जेल में 24 घंटे आर्टिफिशियल लाइट जलती है। जो कैदी एक बार इसके अंदर आ जाता है, वो सूरज की रोशनी नहीं देख पाता। कैदियों को चावल, अंडे, पास्ता, आदि जैसी चीजें परोसी जाती हैं, पर उन्हें ये सब हाथ से ही खाना पड़ता है क्योंकि चाकू-छुरी से वो हमला कर सकते हैं। 100 स्क्वायर मीटर के सेल में 2 टॉयलेट और 2 सिंक है जिसे कैदियों को शेयर करना पड़ता है। उन्हें सिर्फ लोहे की पतली चादर से बने बिस्तर पर सोना पड़ता है। उन्हें पूरे दिन में 30 मिनट खाली वक्त मिलता है, जिसमें वो एक्सरसाइज कर सकते हैं। हालांकि, उस दौरान उन्हें डंबल या अन्य जिम के अपकरण नहीं मिलते हैं। ह्यूमन राइट्स ग्रुप्स इसे मानवाधिकार का ब्लैक होल कहते हैं, जो मानवाधिकार के सारे नियमों-अधिकारों को निगल जाता है। इस जेल में देश के खूंखार अपराधी, ड्रग्स तस्कर, हत्यारे आदि मौजूद हैं। उन्हें काबू में करने के लिए सिपाहियों को कई तरह के हथियार दिए गए हैं। कैदियों के शरीर पर उनके गैंग के निशान टैटू के रूप में बने रहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार एल सैलवाडोर के टेकोल्यूका शहर में टेररिज्म कंफाइनमेंट सेंटर बनाया गया है। इसका निर्माण जनवरी 2023 में पूरा हुआ था और इस जेल में 40 हजार कैदी रह सकते हैं। देश में जुर्म का स्तर काफी ज्यादा था, इस वजह से वहां के राष्ट्रपति नाएब बुकेले ने प्रण लिया था कि वो अपराध को कम करेंगे। नार्को गैंग पर शिकंजा कस्ते हुए उनके राज में ताबड़तोड़ छापेमारी और गिरफ्तारियां हुईं। जिसके बाद बीते 20 महीनों में 70 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकतर कैदियों को इस जेल में डाला गया। ये एक अभेद्य किला है, जिसके अंदर किसी बहारी के लिए घुस पाना, या कैदियों के लिए बाहर निकल पाना असंभव है।

गाजा में 8 इजराइली सैनिक मारे गए, बख्तरबंद टैंक में विस्फोट

तेल अवीव। दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में शनिवार को हुए विस्फोट में 8 इजराइली सैनिक मारे गए। इजराइल डिफेंस फोर्स के मुताबिक, ये सभी सैनिक नेमर नाम के बख्तरबंद कॉम्बैट इंजीनियरिंग व्हीकल के अंदर थे। जनवरी में गाजा में एक ब्लास्ट में 21 इजराइली सैनिक मारे गए थे, उसके बाद यह पहला ऐसा हादसा है जिसमें इतनी बड़ी संख्या में सैनिक मारे गए हैं। आईडीएफ ने बताया कि हादसा स्थानीय समय के मुताबिक सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। राफा के तल अल-सुल्तान इलाके के उत्तरपश्चिमी हिस्से में हमास के आतंकी ठिकानों को तबाह करने निकली इजराइली सेना की एक टुकड़ी करीब 50 आतंकियों को मारकर लौट रही थी। तभी काफिले का एक वाहन ब्लास्ट की चपेट में आ गया। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने बताया कि अब तक हमें जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक यह ब्लास्ट इलाके में प्लांट किए गए विस्फोटकों में हुआ या सेना के काफिले की तरफ एंटी-टैंक मिसाइल फायर की गई थी। ब्लास्ट इतना भीषण था कि मरने वाले सैनिकों में से सिर्फ एक की पहचान हो सकी है।

48 साल के शख्स के 165 बच्चे

न्यूयार्क। अमेरिका के ब्रुकलिन में रहने वाले 48 साल के एरी नेगल के पूरी दुनिया में 165 बच्चे हैं। नेगल पेशे के मैथ्स के प्रोफेसर हैं, जो स्पर्म डोनेट करने का काम करते हैं। वे अब तक अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका समेत दुनिया के हर कोने में महिलाओं को स्पर्म डोनेट कर चुके हैं। इस वजह से उन्हें स्पर्मिनेटर का टैग भी दिया गया है। फादर्स डे से 4 दिन पहले 12 जून को नेगल की 165वीं संतान का जन्म हुआ। उन्होंने कहा है कि जब मैं 50 साल का हो जाउंगा तब स्पर्म डोनेट करना बंद कर दूंगा। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें डर है कि 50 की उम्र में स्पर्म डोनेट करने से ऑटिज्म जैसी गंभीर मानसिक बीमारी का खतरा हो सकता है।

जापान में फैला मांस खाने वाला घातक बैक्टीरिया, महज 2 दिन में ले सकता है लोगों की जान

नई दिल्ली। जापान में एक दुर्लभ मांस खाने वाले बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी फैल रही है, जो 48 घंटों के भीतर लोगों की जान ले सकती है। यह बीमारी जापान में कोविड-काल के प्रतिबंधों में ढील देने के बाद फैल रही है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फेक्शियस डिजीज के अनुसार, स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (एसटीएसएस) एक आक्रामक बीमारी है जो संक्रमण के 48 घंटों के भीतर घातक हो सकती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफेक्शियस डिजीज के अनुसार, इस साल 2 जून तक जापान में एसटीएसएस के 977 मामले सामने आए हैं, जो पिछले साल दर्ज किए गए रिकॉर्ड 941 मामलों से ज्यादा है। यह संस्थान 1विनोद उपाध्याय / 16 जून, 2024 से इस बीमारी के मामलों पर नजर रख रहा है।

बीमारी के लक्षण- ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस (जीएएस) आमतौर पर बच्चों के गले में सूजन और गले में खराश पैदा करता है, जिसे स्ट्रेप थ्रोट के रूप में जाना जाता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, कुछ प्रकार के बैक्टीरिया के कारण लक्षण तेज़ी से विकसित हो सकते हैं, जिसमें अंगों में दर्द और सूजन, बुखार, लो ब्रेड प्रेशर शामिल हैं, जिसके बाद नेक्रोसिस, सांस लेने में समस्या, ऑर्गन फेल्योर और मौत तक हो सकती है। टोक्यो महिला चिकित्सा विश्वविद्यालय में संक्रामक रोगों के प्रोफेसर केन किकुची ने बताया कि अधिकांश मौतें 48 घंटों के भीतर हो रही है। जैसे ही मरीज को सुबह पैर में सूजन दिखती है, दोपहर तक यह घुटने तक फैल सकती है और 48 घंटों के भीतर उनकी मौत हो सकती है।

30 फीसदी तक पहुंच सकती है मृत्यु दर- 50 से अधिक उम्र के लोगों में इस बीमारी का खतरा अधिक होता है। किकुची ने बताया कि संक्रमण की मौजूदा दर पर, जापान में इस साल मामलों की संख्या 2,500 तक पहुंच सकती है और मृत्यु दर 30 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। किकुची ने लोगों से हाथ की स्वच्छता बनाए रखने और किसी भी खुले घाव का इलाज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा है कि मरीजों की आंतों में ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस हो सकता है, जो मल के जरिए हाथों को दूषित कर सकता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, जापान के अलावा, कई अन्य देशों में भी हाल ही में स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम के प्रकोप के मामले सामने आए हैं। 2022 के अंत में, कम से कम पांच यूरोपीय देशों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को इनवेसिव ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस बीमारी के मामलों में हो रही बढ़ोतरी की सूचना दी थी।

आतंकी हमले में सोमालिया के 8 जवान शहीद, 11 घायल

मोगादिशु। सोमालिया के खाड़ी क्षेत्र में सड़क किनारे हुए विस्फोट में एक वरिष्ठ कमांडर समेत सोमाली राष्ट्रीय सेना के 8 सैनिकों की मौत हो गई और 11 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हमले की जिम्मेदारी अल-शबाब ने ली है। सोमालिया सरकार ने अल-कायदा से जुड़े इस आतंकवादी संगठन के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। एसएनए के रक्षा बल के प्रमुख इब्राहिम शेख मुहिदीन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि सेना कमांडर मोहम्मद ढेरे ने सेक्टर 60 में सोमालिया सेना की आठवीं बटालियन का नेतृत्व कर रहे थे। इस दौरान सैन्य वाहन एक विस्फोटक उपकरण की चपेट में आ गया, जिससे कमांडर समेत 8 जवानों की मौत हो गई। इस विस्फोट में 11 जवान घायल हुए हैं। मुहिदीन ने कहा कि यह घटना जिरागारोब गांव के पास हुई। यह गांव बेरडेल शहर के बाहरी इलाके में अल-शबाब चरमपंथी समूह का गढ़ है।

बाली, इंडोनेशिया में बाली कला महोत्सव 2024 के दौरान परेड करते कलाकार। इस वर्ष का बाली कला महोत्सव 15 जून से 13 जुलाई तक आयोजित किया गया है।

सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर वापसी 22 जून तक टली, नासा ने दूसरी बार टाली स्टारलाइनर की लैंडिंग

वॉशिंगटन । भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर वापसी 22 जून तक टल गई है। ये दूसरा मौका है जब इन दोनों एस्ट्रोनॉट्स की वापसी को टाला गया है। पहली घोषणा 9 जून को की गई थी, जिसमें बताया गया था कि विल्मोर और विलियम्स की वापसी को 18 जून तक आगे बढ़ाया गया है। बोइंग का स्टारलाइनर मिशन बुधवार 5 जून को रात 8:22 बजे लॉन्च हुआ था। फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से यूएलए के एटलस वी रॉकेट से लॉन्च किया गया था। स्पेसक्राफ्ट अगले दिन यानी, 6 जून को रात 11:03 बजे आईएसएस पहुंचा था। इसे रात 9:45 बजे पहुंचना था, लेकिन रिएक्शन कंट्रोल थ्रस्टर में परेशानी आ गई थी। विल्मोर और विलियम्स स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट और उसके सब सिस्टम की टेस्टिंग के लिए करीब एक हफ्ते तक स्पेस स्टेशन में रहने वाले थे, लेकिन दो बार देरी के कारण अब मिशन ड्यूरेशन करीब 2 हफ्ते का हो गया है। नासा के अधिकारी 22 जून को एस्ट्रोनॉट्स की वापसी से पहले दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका में लैंडिंग लोकेशन्स मौसम की स्थिति का आकलन करेंगे।

मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने क्या कुछ कहा?

बारी (इटली) (एजेंसी)। द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शनिवार को कहा कि जी7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी मुलाकात के बाद कुछ ''बहुत महत्वपूर्ण मुद्दों'' से निपटने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता है। मोदी ने शुक्रवार को दोनों नेताओं के हाथ मिलाने की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें कहा गया है, ''जी 7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।''

दक्षिणी इटली के अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई यह बैठक खालिस्तान समर्थक चरमपंथ को लेकर तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के बीच पहली बैठक है। इससे पहले, ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि कनाडाई अधिकारी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता से संबंधित ''विश्वसनीय आरोपों की सक्रियता से'' जांच कर रहे हैं।

पिछले वर्ष कनाडा द्वारा लगाये गए आरोपों को विदेश मंत्रालय ने ''बेतुका और प्रेरित'' बताते हुए दृढ़तापूर्वक खारिज कर दिया था। ट्रूडो ने शनिवार को तीन दिवसीय जी7 शिखर सम्मेलन के समापन पर संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, ''मैं इस महत्वपूर्ण, संवेदनशील मुद्दे के विवरण में नहीं जाऊंगा, जिस पर हमें आगे काम करने की आवश्यकता है। लेकिन यह आने वाले समय में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए एक साथ काम करने की प्रतिबद्धता है।''

शुक्रवार शाम बैठक के तुरंत बाद, कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि नेताओं ने ''द्विपक्षीय संबंधों पर संक्षिप्त चर्चा'' की, जिस दौरान ट्रूडो ने मोदी को उनके पुनः निर्वाचित होने पर बधाई भी दी। कनाडा की प्रेस समाचार एजेंसी ने प्रवक्ता एन-क्लारा वैलानकोर्ट के हवाले से कहा, ''बेशक, इस समय हमारे दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। आप समझ सकते हैं कि हम इस समय कोई और बयान नहीं देंगे।''

भारत का कहना रहा है कि दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा अपने भू-भाग से संचालित हो रहे खालिस्तान समर्थक तत्वों को जगह दे रहा है। भारत ने कनाडा को बार-बार अपनी ''गहरी चिंताओं'' से अवगत कराया है और नयी दिल्ली को उम्मीद है कि ओटावा उन तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

अमेरिका चाहता है कि ताइवान पर हमला करे चीन: शी जिनपिंग

बीजिंग । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका पर बड़ा आरोप लगाया है। राष्ट्रपति का दावा है कि अमेरिका ताइवान से युद्ध करने के लिए चीन को उकसा रहा है वो चाहता है कि चीन ताइवान पर हमला कर दे। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीनी राष्ट्रपति का मानना था कि अमेरिका चाहता है कि चीन ताइवान पर हमला कर दे। रिपोर्ट के मुताबिक चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को बताया कि अमेरिका ताइवान पर हमले के लिए चीन को उकसाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि जिनपिंग ने अपने घरेलू अधिकारियों को भी चेतावनी दी है।

शी ने अप्रैल 2023 में वॉन डेर लेयेन के साथ मीटिंग की थी। रिपोर्ट में कई लोगों के बयान के आधार पर बताया गया कि जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका चीन को ताइवान पर हमला करने के लिए बरगलाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वह ऐसा नहीं करेगा। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि जिनपिंग ने अपने अधिकारियों को भी इस तरह की चेतावनी दी थी। यह खुलासा ताइवान को लेकर शी के विचारों के बारे में बताता है, जो अमेरिका-चीन के बीच सबसे तनावपूर्ण मुद्दा है। रिपोर्ट के मुताबिक शी जिनपिंग ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ संघर्ष से चीन की कई उपलब्धियां नष्ट हो जाएंगी। इससे 2049 तक एक बड़ा कायाकल्प करने का उनका लक्ष्य कमजोर होगा। यह खुलासा तब हुआ है जब ताइवान जलडमरू मध्य में तनाव बढ़ने लगा है। चीन ने मई में ताइवान के नए राष्ट्रपति के पद संभालने के जवाब में द्वीप के चारों ओर सैन्य अभ्यास किया था। ताइवान संबंध अधिनियम के तहत ताइवान को रक्षा प्रदान करना अमेरिका का दायित्व है। कुछ चीनी शिक्षाविदों और रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि अमेरिका ताइवान को हथियार देकर चीन को सैन्य टकराव में फंसाने के लिए अन्य उपाय करके बीजिंग को उकसाने में लगा है। जनवरी में एशिया सोसायटी में बोलते हुए वॉशिंगटन में पूर्व चीनी राजदूत कुई तियानकाई ने अमेरिका के परोक्ष संदर्भ में कहा, चीन उस जाल में नहीं फंसेगा जो हमारे लिए बनाया जा रहा है। वॉन डेर लेयेन को कही गई बातें जिनपिंग का पहला ज्ञात मामला माना जा रहा है।

विदेशी सहायता, आईएमएफ पैकेज पर निर्भरता समाप्त करने को प्रतिबद्ध : पीएम शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी सहायता और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) राहत पैकेज पर पाकिस्तान की निर्भरता समाप्त करने और आर्थिक गतिविधियों में पड़ोसी देशों से आगे निकलने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के खर्चों को कम करने और अर्थव्यवस्था को फिर खड़ा करने के लिए कई साहसिक सुधारों की रूपरेखा पेश की है। शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि राहत पैकेज के लिए आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी होगा। शरीफ अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे। पाकिस्तान सरकार वर्तमान में आईएमएफ के साथ छह से आठ अरब डॉलर के कर्ज के लिए बातचीत कर रही है। पाकिस्तान धीमी गति से चल रही अर्थव्यवस्था में चूक को रोकने का प्रयास कर रहा है। शरीफ ने जोर देकर कहा कि हर पैसा देश और उसके लोगों की प्रगति पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने खर्च कम करने और पांच साल के भीतर युवाओं को शिक्षा और कौशल प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इंसानों के रुप में हमारे ही बीच रह रहे हैं एलियन : हार्वर्ड यूनिवर्सिटी

हार्वर्ड (एजेंसी)। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एक हालिया स्टडी में दावा किया गया है कि एलियन हमारे बीच रहे हैं, शायद वे जमीन के नीचे या चांद पर रहते हों। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के ह्यूमन फ्लोरिशिंग प्रोग्राम ने यह भी कहा है कि यूएफओ अंतरिक्ष यान हो सकते हैं जो पृथ्वी पर रहने वाले अपने किसी एलियन दोस्तों से मिलने आते हैं। अध्ययन में बताया गया है कि 'अज्ञात असामान्य घटना जिन्हें आम तौर पर यूएफओ और परग्रह प्राणी कहा जाता है, वे शायद चांद की निचली सतह में रहते हों या यहां तक कि हमारे बीच घूमते हों। इस शोध में इस विचार को भी परखा गया है कि यूएफओ पृथ्वी पर रहने वाले अपने 'एलियन दोस्तों' से मिलने के लिए आने वाले अंतरिक्ष यान हो सकते हैं। हार्वर्ड वाले यह भी मानते हैं कि कुछ और सबूत और कहानियां हैं जो बताती हैं कि शायद धरती पर ही कई बुद्धिमान जीव रहते हैं, जिन्हें हम नहीं जानते। इन जीवों को छिपे हुए धरतीवासी (क्रिप्टोटेर्रेस्ट्रियल) का नाम दिया गया है। ये तो मानो धरती के देवदूत हैं! ये प्राणी टेक्नोलॉजी की बजाय जादू का इस्तेमाल करते हैं और इंसानों से मेलजोल रखते हैं, बिल्कुल परियों या बौनों जैसा। लेकिन, ये कहानी थोड़ी अजीब जरूर लगती है, खासकर उन लोगों को जो सिर्फसाइंस की ही बात मानते हैं।अध्ययन करने वाले मानते हैं कि ज्यादातर वैज्ञानिक उनके इस शोध को शायद ही गंभीरता से लें। फिर भी, वो वैज्ञानिक समुदाय से गुजारिश करते हैं कि वे उनके दावों पर ÷खुले दिमाग और ज्ञान को स्वीकारने की भावना÷ के साथ विचार करें। बताया जा रहा है कि इस शोध पत्र की अभी तक किसी और वैज्ञानिक ने जांच नहीं की है।

दक्षिणी गाजा में 10 लाख विस्थापित फंसे, खाना और पानी तक नहीं हो रहा नसीब

गाजा (एजेंसी)। दक्षिणी गाजा में दस लाख विस्थापित लोग साफ पानी या बुनियादी मानवीय सुविधाओं के बिना फंसे हुए हैं और विनाश का स्तर चौंकाने वाला है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काउ का कहना है कि इलाज से जुड़े सूत्रों ने अल जजीरा को बताया कि शुक्रवार को गाजा में 25 फिलिस्तीनी मारे गए। गाजा शहर के तुफ्फाह इलाके के पड़ोस में एक हमले में एक शिशु की मौत हो गई, जहां 30 लोग घायल भी हुए।

गाजा में एक और फिलिस्तीनी किशोर की भूख से मौत हो गई है। 14 साल का फिलिस्तीनी लड़का मुस्तफा गाजा में कुपोषण से मरने वाला नया पीड़ित है। किशोर के माता-पिता फिलिस्तीनी इलाके पर इजरायल के हमले के कारण उत्तरी गाजा से विस्थापित हुए थे। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने इजरायली सेना पर खाने-पीने के सामानों को रोकने का आरोप लगाया है, जो युद्धग्रस्त क्षेत्र में बच्चों को भूख से बचा सकते थे। मुस्तफा उन 28 बच्चों में से एक है, जो अब गाजा में इजरायल के हमले के कारण फैली भुखमरी के कारण मर गए हैं। अगर जल्द ही गाजा में खाने-पीने का समान नहीं पहुंचाया गया तो उसकी एक बड़ी आबादी भूख और कुपोषण से मर जाएगी। गाजा में कुपोषण बढ़ने की उम्मीद है, और विश्व खाद्य कार्यक्रम ने नवंबर की शुरुआत में ही चेतावनी दे दी थी कि कुपोषण बढ़ रहा है और गाजा में आपातकालीन सहायता की आवश्यकता है। वहीं हमास की हथियारबंद शाखा कस्साम ब्रिगेड का कहना है कि इजरायली सेना के हवाई हमलों में गाजा पट्टी में समूह द्वारा पकड़े गए दो इजरायली बंदी मारे गए हैं। इटली में शिखर सम्मेलन के समापन पर जी-7 के नेताओं ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी को गाजा में बिना किसी बाधा के काम करने की अनुमति दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर से गाजा पर इजरायल के युद्ध में कम से कम 37,266 लोग मारे गए हैं और 85,102 घायल हुए हैं। हमास के हमलों में इजरायल में मरने वालों की संख्या 1,139 है और दर्जनों लोग अभी भी गाजा में बंदी हैं।

पाकिस्तान में खूब बढ़ रहे हैं गधे, इनसे चाइनीज का है बड़ा कनेक्शन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में पिछले तीन-चार सालों में देश में गधों की आबादी में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। पाकिस्तान में गधों की संख्या तेजी से बढ़कर 59 लाख तक पहुंच गई है। पाकिस्तान में हुए 2023-24 के इकोनॉमिक सर्वे में यह बात सामने आई है। पाकिस्तान में गधों की संख्या में 1।74 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जारी आंकड़ों से पता चलता है कि 'बोझ ढोने वाले जानवरों' की संख्या 2019-2020 में 55 लाख थी। यह संख्या 2020-21 में 56 लाख, 2021-22 में 57 लाख और 2022-23 में 58 लाख थी। पाकिस्तान में गधों की बढ़ती संख्या का एक कारण उसका सदाबहार सहयोगी चीन है। पाकिस्तान के लिए गधे बढ़ना विदेशी मुद्रा कमाने का एक मौका भी है। पाकिस्तान से चीन हर साल बड़ी संख्या में गधे मंगवाता है।रिपोर्ट के अनुसार, देश में स्थानीय मांग बढ़ने और उत्पादन कम होने के कारण चीन दूसरे देशों से गधों और कुत्तों का आयात करना चाह रहा था। औसतन हर साल 5 लाख गधे चीन को बेचे जाते हैं। इन गधों का इस्तेमाल चीन में मीट, शक्तिवर्धक औषधियों से लेकर पहाड़ी इलाकों में सामान ढोने के लिए किया जाता है।

पाकिस्तान सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था में मदद करने के लिए गधों का निर्यात करने के इरादे से अपने पंजाब प्रांत के ओकारा जिले में 3,000 एकड़ से अधिक का एक फार्म भी स्थापित किया था। अपनी तरह के पहले सरकारी स्वामित्व वाले फार्म का उपयोग चीन और अन्य देशों में निर्यात बढ़ाने के लिए अमेरिकी सहित अच्छी नस्ल के गधों को पालने के लिए किया जाता है। चीन पहले अपने गधों का स्टॉक नाइजर और बुर्किना फासो से आयात करता था, जब तक कि दोनों पश्चिमी अफ्रीकी देशों ने उनके निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगा दिया था। गधे कई पाकिस्तानियों की आखिरी उम्मीद हैं, खास करके उन लोगों के लिए जो ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। ग्रामीण इलाकों में अर्थव्यवस्था इन जानवरों के साथ गहराई तक जुड़ी हुई है। पाकिस्तान के ग्रामीण इलाकों में गधों का बेहद महत्व है। वे इन इलाकों की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देते हैं। इन्हें कृषि से जुड़े कार्यों व यातायात के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

शार्ट न्यूज

पुलवामा में ऑनलाइन घोटाले के मामले में 1,44,500 रुपये किये जब्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में साइबर यूनिट ने रविवार को वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान, ऑनलाइन घोटाले के दो अलग-अलग मामलों में 1,44,500 रुपये जब्त किये। साइबर सेल ने उन दोनों घटनाओं की तेजी से जांच की जहां पीड़ितों को व्हाट्सएप लिंक के माध्यम से घर से काम करने के आकर्षक अवसरों का वादा करके लुभाया गया था। इन घोटालों में पीड़ितों को उच्च रिटर्न के वादे के साथ पैसा निवेश करने के लिए राजी करना शामिल था। शुरुआत में, पीड़ितों का विश्वास हासिल करने के लिए छोटे-छोटे काम सौंपे गए, इसके बाद बड़े निवेश के लिए अनुरोध किया गया, जिसके कारण काफी वित्तीय नुकसान हुआ। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जनता को फिर से ऐसी धोखाधड़ी वाली गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने के लिए आगाह किया है। पुलवामा पुलिस और उसकी साइबर यूनिट समुदाय के वित्तीय हितों की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। वे साइबर अपराध से निपटने और ऑनलाइन धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाने में अपने सक्रिय प्रयासों को जारी रखने की प्रतिज्ञा करते हैं।

एमआईएस के तहत 153 करोड़ रुपये जारी

शिमला। हिमाचल के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार प्रदेश सरकार ने मण्डी मध्यस्थता योजना (एमआईएस) के तहत सेब उत्पादकों की सभी देनदारियों का भुगतान किया गया है। राज्य सरकार ने पिछली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की 90 करोड़ रुपये की देनदारी सहित सभी देनदारियों को निपटाने के लिए 153 करोड़ रुपये जारी किए हैं। सुक्खू शिमला जिला के ठियोग विधानसभा क्षेत्र के नारकण्डा का दौरा किया और स्थानीय लोगों से भेंट कर जन समस्याएं सुनीं। उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न प्रतिनिधिमण्डलों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों और बागवानों को सेब कीटनाशकों और उर्वरकों इत्यादि पर मिलने वाली सब्सिडी को पिछली भाजपा सरकार ने बंद कर दिया था लेकिन वर्तमान राज्य सरकार ने इसे बहाल कर दिया है। किसानों को अब गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राज्य सरकार ने सेब के समर्थन मूल्य में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम की ऐतिहासिक वृद्धि की है, जिससे सेब का समर्थन मूल्य अब 12 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है।

अधिकारियों ने किया ओटू हेड का निरीक्षण

सिरसा। हरियाणा में जिला सिरसा के अधिकारियों ने घग्गर नदी पर बने ओटू हेड के सभी गेटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में ओटू हेड के सभी गेट दुरुस्त स्थिति में पाए गए। ओटू में घग्गर नदी पर बना हैड एक महत्वपूर्ण स्ट्रक्चर है, जिसमें घग्गर नदी के पानी का प्रबंधन किया जाता है। इस हैड में पानी के भंडारण के बाद आगे राजस्थान की ओर छोड़ दिया जाता है। पानी हनुमानगढ़ व श्री गंगानगर जिलों से होता हुआ पाकिस्तान की सीमा तक चला जाता है। कई बार पानी के अधिक बहाव के कारण इस नदी के तटबंधों के टूट जाने से फसलों का भी नुकसान हो जाता है। ओटू हैड से तीन बरसाती पानी की नहरें निकलती है, जिनसे आस पास के गावों के खेतो की सिंचाई की जाती है। इनके लिए ओटू हेड पर छह गेट बने हुए हैं। जब घग्गर नदी में बारिश के सीजन में पानी का लेवल बढ़ जाता है तो अतिरिक्त पानी को नीचे छोड़ने के लिए 12 गेट बने हुए है, जो घग्गर नदी के अतिरिक्त पानी को मैनेज करते है। हर साल बाढ़ के सीजन से पहले हेड के गेटो की रिपेयरिंग का काम करवाया जाता है। इस साल भी गेटों की मरम्मत पूर्ण रूप से की जा चुकी है। जिला परिषद् के सीईओ डॉ सुभाष चंद्र ने शनिवार को सभी गेट का निरीक्षण किया।

हिमाचल में पंजाबी दंपत्ति से मारपीट पर पंजाब पुलिस दर्ज करेगी एफआईआर

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के डलहौजी में भीड़ के हमले के शिकार हुए अप्रवासी भारतीय (एनआरआई) परिवार से अमृतसर के अस्पताल में रविवार को पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री कुलदीप धालीवाल ने मुलाकात की। उन्होंने एलान किया कि हिमाचल में पंजाबी दंपत्ति के साथ हुई मारपीट के खिलाफ पंजाब पुलिस जीरो एफआईआर दर्ज करेगी। धालीवाल ने पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से सहायता का भरोसा दिया और कहा कि हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल में पंजाबी दंपत्ति के साथ हुई मारपीट के खिलाफ पंजाब पुलिस जीरो एफआईआर दर्ज करेगी। इसके लिए उन्होंने पीड़ित परिवार से पुलिस को बयान देने को कहा है ताकि घटना के बारे में इनका पक्ष सही ढ़ंग से सामने आ सके। उन्होंने कहा, मैंने हिमाचल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से बात करने की कोशिश की लेकिन मुझे बताया गया कि अभी वह राज्य से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि एक दो दिन में हम हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और डीजीपी से मिलकर उन्हें एफआईआर की कॉपी सौंपेंगे और हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह घटना बेहद निंदनीय है।

गंगा दशहरा स्नान पर्व में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

हरिद्वार। उत्तराखंड के धर्मनगरी हरिद्वार में गंगा दशहरा स्नान पर्व के मौके पर रविवार को लाखों की संख्या में श्रद्धालु देश के कोने-कोने से आकर गंगा स्नान करने हर की पौड़ी सहित गंगा घाटों पर पहुँचे तथा डुबकियां लगायीं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार आज ही के दिन मां गंगा स्वर्ग लोक से भगवान शिव की जटा से होते हुए पृथ्वी लोक पर अवतरित हुई थी। इन मान्यताओं कों लेकर आज ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरे के नाम से जाना जाता है। आज के दिन पवित्र गंगा नदी में स्नान करने से श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। धर्मनगरी हरिद्वार में श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने पूरे मेला क्षेत्र को तीन सुपर जॉन नौ जोन और 21 सेक्टरों में बाटा गया है जिसमें पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। इस दिन पवित्र गंगा नदी में स्नान करने से जाने अनजाने में किए गए सभी पापों से मुक्ति मिलती है और श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है इसी दिन को गंगा अवतरण दिवस गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। हरिद्वार गंगा घाटों पर स्नान करने आए श्रद्धालुओं का कहना है कि आज हम यहां हरिद्वार गंगा स्नान करने के लिए पहुंचे हैं क्योंकि गंगा दशहरे के मौके पर गंगा स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा किए गए जाने अनजाने में सभी पापों से मुक्ति मिलती है आज गंगा स्नान कर कर बहुत अच्छा लग रहा है।

वर्त्तमान-भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा संसद भवन का प्रेरणा स्थल : बिरला

नयी दिल्ली। सत्रहवीं लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि मौजूदा समय में संसद भवन के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है और इसी के तहत परिसर में अलग-अलग जगहों पर लगी हुईं महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाकर प्रेरणा स्थल बनाया गया है, जो वर्त्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा। बिरला ने रविवार को यहां बताया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसके संसद का आने वाले समय में विश्व का सबसे अच्छा संसद भवन परिसर होगा। इसको लेकर कई बदलाव किये जा रहे हैं। इसी बदलाव के तहत संसद भवन में अलग-अलग स्थानों में लगी महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाया गया है और उस स्थल का नाम प्रेरणा स्थल रखा गया है, जो वर्त्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा। उन्होंने बताया कि प्रेरणा स्थल संसद भवन को देखने आने वाले लोगों को रोमांचित करेगा क्योंकि अब उन्हें यहां प्रत्येक महापुरुषों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी भी मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रेरणा स्थल पर लगी हरेक महापुरुष की प्रतिमा के साथ उनके बारे जानकारी उपलब्ध करायी गयी है। इस दौरान उन्होंने संसद भवन लगीं महापुरुषों की प्रतिमाओं को हटाने के विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, संसद भवन में लगी किसी भी महापुरुष की प्रतिमा को हटाया नहीं गया है।

संसद परिसर में लगी महापुरुषों की प्रतिमाएं हटाने का मुद्दा उठाएगा इंडिया गठबंधन

-सांसद थरुर बोले- समिति की अनुपस्थिति में इन मामलों पर फैसले कौन ले रहा है?

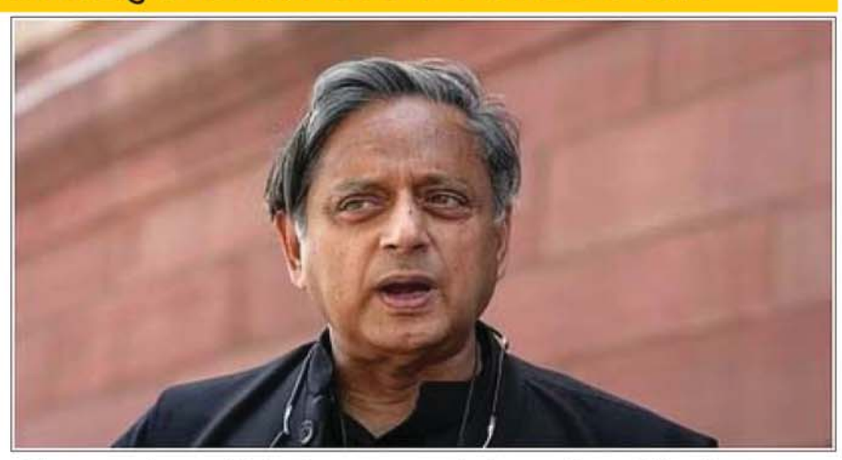

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में लगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर और कुछ अन्य महापुरुषों की प्रतिमाएं उनके स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर ले जाने से जुड़े मुद्दे को इंडिया' गठबंधन संसद के आगामी सत्र में उठाएगा। यह बात कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर के एक पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए दी। संसद सत्र आगामी 24 जून से शुरु होगा और यह 18वीं लोकसभा की पहली बैठक होगी।

जानकारी के मुताबिक सांसद शशि थरूर ने कहा कि संविधान में संसद कार्यपालिका के समान ही एक संप्रभु अंग है। यह सदस्यों की संपत्ति है। संसद में प्रतिमाओं और चित्रों से संबंधित एक समिति होती है जो इन मामलों पर फैसले लेती है। अब कई सालों से इसका पुनर्गठन नहीं किया गया है। इसकी अनुपस्थिति में इन सभी मामलों पर फैसले कौन ले रहा है?

थरुर ने कहा कि कार्यपालिका को ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। आदर्श रूप से नए सदन और समिति को इस प्रस्ताव पर चर्चा करनी चाहिए थी और फैसला लेना चाहिए था। केंद्र सरकार ने यह कदम उठाकर संसद के विशेषाधिकारों का हनन किया है। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि आप सही कह रहे हैं। जब संसद दोबारा शुरु होगी तो 'इंडिया गठबंधन' को इस मुद्दे को उठाने पर विचार करना चाहिए और वह ऐसा करेगा भी। यहां तक ??कि केंद्र सरकार के एनडीए गठबंधन के भी कई सांसदों ने उनसे इस बारे में बात की है। रमेश ने पीएम मोदी की जी7 शिखर सम्मेलन में उपस्थिति को लेकर पोस्ट में लिखा- इटली में जी7 में अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, भारत, जॉर्डन, केन्या, मॉरिटानिया, ट्यूनीशिया, तुर्किये, यूक्रेन, संयुक्त अरब अमीरात और वेटिकन सिटी को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने दावा किया कि केवल भारत के एक तिहाई प्रधानमंत्री ही यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन को संबोधित किया और उनके उदास और हताश समर्थक दिखा रहे हैं कि वह आकर्षण के केंद्रबिंदु थे।

सोमवार को जम्मू-कश्मीर से जुड़ी विकास परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे गडकरी

श्रीनगर । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी जम्मू-कश्मीर में विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने वाले है। बैठक में पवित्र गुफा मंदिर तक सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अमरनाथ यात्रा ट्रैक और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी चर्चा होगी। लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद गडकरी की राज्य में यह पहली बैठक होगी। जोजिला सुरंग सहित कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में निर्माणाधीन हैं। यह सुरंग लद्दाख को सड़क मार्ग के द्वारा जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों से पूरे साल जोड़े रखेगी। वर्तमान में सर्दियों के महीनों में राजमार्ग बंद रहता है। बालटाल और पहलगाम दोनों आधार शिविरों से अमरनाथ यात्रा ट्रैक पर राजमार्ग का निर्माण केंद्र की प्राथमिकता सूची में है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) यात्रा ट्रैक को चौड़ा करने, ब्लॉक लगाने, तथा मोड़ और ढलानों को ठीक करने का काम पहले ही कर चुका है। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के रामबन-बनिहाल खंड के रखरखाव पर भी बैठक में चर्चा होगी। जम्मू-कश्मीर में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं चल रही हैं। बैठक में इन सभी की समीक्षा की संभावना है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी बैठक में मौजूद रहने वाले है।

ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स की तरह

-एलन मस्क के बाद राहुल गांधी ने उठाया ईवीएम पर सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद फिर ईवीएम का जिन्न जाग उठा है। दरअसल विदेश में भी ईवीएम के द्वारा चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ईवीएम के जरिए हो रहे चुनाव पर तंज कस दिया है।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत में ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स की तरह है, जिसकी जांच करने की अनुमति किसी को भी नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब हमारे देश की चुनावी प्रक्रिया के पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जब संस्थाओं में जवाबदेही की कमी होती है, तब लोकतंत्र एक दिखावा बनाता है, और धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है।

इतना ही नहीं राहुल गांधी ने कुछ मीडिया रिपोर्टस को टैग किया, जिसमें दावा किया गया है कि मुंबई के उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से मात्र 48 वोटों से चुनाव जीतने वाले शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार के पास एक फोन था, जिससे ईवीएम अनलॉक हो जाता है। राहुल गांधी ने टेस्ला और सोशल मीडिया साइट एक्स के सीईओ एलन मस्क के उस पोस्ट को भी टैग किया, जिसमें मस्क ने लिखा है कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म करना चाहिए, क्योंकि इस इंसान या एआई के जरिए हैक किए जाने की संभावना कम है, लेकिन फिर भी बहुत अधिक है।

बता दें कि देश में तमाम विपक्षी दल पिछले कुछ समय से ईवीएम को लेकर चिंता जाहिर कर रहे हैं, उन्होंने वीवीपैट पर्चियों की 100 प्रतिशत गणना की मांग की थी, जिसकी अनुमति नहीं दी गई। वहीं हलिया में खत्म हुए लोकसभा चुनाव में ईवीएम के जरिए जहां 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने मतदान किया, इसमें 31 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने मतदान किया है। इन आंकड़ों पर खुशी जताकर भारतीय चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा था कि भारत ने लोकसभा चुनाव में विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह आंकड़ा जी-7 देशों के मतदाताओं का 1.5 गुना और यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदाताओं का 2.5 गुना है।

पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल की 4440 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

-फरार चल रहा इकबाल, बेटे जेल में

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्थित ग्लोबल यूनिवर्सिटी को जब्त किया जा चुका है। यह यूनिवर्सिटी 121 एकड़ में है, इसकी जमीन और बिल्डिंग की कीमत 4440 करोड़ रुपये है। यह अब्दुल वाहिद एजुकेशनल व चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम पर है। अवैध खनन केस के मामले में ईडी ने कुर्क कर लिया है। ईडी ने लिखा है कि यह ट्रस्ट पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल व उनके परिवार के द्वारा संचालित हो रहा है। इस पूरे मामले में जिलाधिकारी ने कहा कि जैसे ही हमें आदेश मिलेता है, इस पर कार्रवाई होगी। दरअसल, पूर्व एमएलसी इकबाल उर्फ हाजी इकबाल के ऊपर खनन के जो केस चल रहे हैं, उसमें मोहम्मद इकबाल फरार है। जबकि उसके बेटे जेल में हैं। हाजी इकबाल का अभी तक कुछ पता नहीं चला है कि वह किस देश में है। जांच एजेंसी ईडी मोहम्मद इकबाल की जमीन और मकान कुर्क कर चुकी है। इकबाल की ग्लोबल यूनिवर्सिटी की 4440 करोड़ की बिल्डिंग को अटैच करने के बाद कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र ने बताया कि मुख्यमंत्री के सख्त आदेश हैं कि जो आपराधिक किस्म के लोग हैं या जिन्होंने गुंडागर्दी करके किसी प्रकार की संपत्ति अर्जित की है, उस पर कार्रवाई करे। डीएम ने कहा कि हाजी इकबाल उत्तर प्रदेश के माफियाओं की श्रेणी में है, जिस पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जो पुराने गैंगस्टर के मामले थे या अन्य मामले थे, उसकी संबंधित न्यायालय को रिपोर्ट भेजी गई है। उसमें 506 करोड़ की संपत्ति को न्यायालय के अंतर्गत भेजा गया है, एक दो और प्रकरण हैं, उसकी सुनवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि ईडी द्वारा जनपद स्तर से, पुलिस स्तर से, राज्य विभाग से जो संबंधित अभिलेख मांगे गए थे, उन्हें समय से पहुंचाया गया है, जिसके आधार पर ईडी ने कार्रवाई की है।

कॉलेज में हिजाब पर रोक के खिलाफ नौ छात्राओं ने कोर्ट में दायर की याचिका

- कॉलेज प्रशासन पर धर्म के आधार पर पक्षपात करने के भी लगाए आरोप

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर में स्थित आचार्य कॉलेज में हिजाब बैन को लेकर नौ छात्राओं ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। छात्राओं ने हिजाब पर बैन हटाने की मांग की है। इसके साथ ही कॉलेज प्रशासन पर धर्म के आधार पर पक्षपात करने के आरोप भी लगाए हैं। मुंबई में एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स की नौ छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन की ओर से हाल ही में लागू ड्रेस कोड को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। याचिका में छात्राओं ने कहा कि कॉलेज का प्रतिबंध मनमाना है। इस ड्रेस कोड के तहत छात्राओं को कैंपस में हिजाब पहनने पर रोक लगा दी गई है। याचिकाकर्ता छात्राओं का दावा है कि नया ड्रेस कोड गोपनीयता, गरिमा और धार्मिक स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। कॉलेज की एक छात्रा ने कहा कि कॉलेज में कोई हमारी मदद नहीं कर सका, ऐसे में हमें बस कोर्ट का रास्ता नजर आया। हमें उम्मीद है की कोर्ट से फैसला हमारे हक में होगा। कॉलेज की एक अन्य छात्रा ने कहा कि जब ड्रेस कोड की बात आई, तो हमने प्रिंसिपल से बात करने की सोची। उस वक्त मैं नहीं थीं, मेरी दोस्त प्रिंसिपल से बात करने के लिए गईं। हमने उनसे कहा कि हम ड्रेस कोड को फॉलो नहीं कर पाएंगे। उन्होंने हमें साफ कह दिया कि ड्रेस कोड फॉलो करना पड़ेगा। इसके बाद मैनेजमेंट से बात हुई। वहां से भी हमारे हक में कुछ नहीं आया। अब कक्षाएं भी शुरू हो गईं हैं। हमारे ऊपर दबाव है। हमें बुर्के में क्लास में बैठने को मना कर दिया गया है। हमारे पास अंतिम विकल्प कोर्ट ही बचा था। बीएससी की छात्रा खान अंजोन ने कहा कि हम सीधे हाईकोर्ट नहीं गए हैं। हमने पहले जितनी कोशिश करनी थी, वो की, जब हमें कोई विकल्प नहीं मिला, तो हाईकोर्ट का रुख किया। हमारे लिए नकाब उतारना मामूली बात नहीं है। इसलिए इस मुद्दे को हम कोर्ट तक लेकर जा रहे हैं।

दिल्ली में जल संकट: समाधान नहीं सियासत करने में लगे हैं नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुल्लू भर पानी उन नेताओं और सियासी दलों को जरुर देना चाहिए तो जल संकट पर अपनी राजनैतिक रोटियां सेंक रहे हैं। लोगों को पानी मिल रहा है या नहीं इससे किसी का कोई लेना देना नहीं है। हितैषी सभी है पर समाधान करना नहीं चाहते है। भीषण गर्मी अब चला चली की बेला पर है, लेकिन

दिल्ली में पानी की किल्लत अब तक बरकरार है और अभी भी कई इलाकों में टैंकर का पानी लेने के लिए मारामारी मची हुई है। राजधानी के इस जल संकट को लेकर सियासत भी जमकर हो रही है। जहां सत्ताधारी आम आदमी पार्टी पानी की किल्लत का ठीकरा बीजेपी शासित हरियाणा पर फोड़ रही है तो वहीं बीजेपी इसे आप सरकार का फेल्योर बता रही है। वहीं 14 जगह बीजेपी ने मटका फोड़ प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

पूर्वी दिल्ली से लेकर दक्षिणी दिल्ली तक पानी का संकट लगातार बढ रहा है। तमाम इलाकों में पानी को लेकर हंगामा मचा हुआ है। चाणक्यपुरी जैसे पॉश इलाके के बीच कामकाजी लोगों की एक बस्ती है जिसका नाम है विवेकानंद कैंप, यहां लोग पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस गए हैं। पानी का टैंकर आते ही मारामारी मच जाती है। कुछ इसी तरह के हालात गोविंदपुरी और ओखला में भी हैं जहां टैंकर के आते ही मारामारी मच जाती है। दिल्ली का महिपालपुर का इलाका इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के बेहद पास है। विकास की तेज रफ्तार आपको यहां नजर आएगी बावजूद इसके यहां लोग पानी की एक एक बूंद को तरस रहे हैं। लोग बताते हैं कि 6 जून से यहां पानी का टैंकर नही आया है। ऐसा ही हाल साउथ दिल्ली में देवली का है। लोग पानी के प्राइवेट टैंकर का इंतजाम करने को मजबूर हैं।

दिल्ली में पानी की किल्लत को लेकर आज बीजेपी 14 जगहों पर आम आदमी पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित दिल्ली के सांसद भी अपने संसदीय क्षेत्र में प्रदर्शन करने जा रहे हैं। सुबह 10-30 बजे से शुरू हुए इस प्रदर्शन के तहत प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा लक्ष्मी नगर में, बांसुरी स्वराज आर के पुरम में, राम वीर सिंह बिधूड़ी संगम विहार में, कमलजीत सेहरावत द्वारका में और योगेंद्र चंदोलिया जहांगीरपुरी में प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं।

इससे पहले लोकसभा चुनाव में सहयोगी रही कांग्रेस ने भी शनिवार को आप के खिलाफ मोर्चा खोलकर सड़क पर उतरकर विरोध जताया। शनिवार को कांग्रेस ने सड़क पर उतरकर आप सरकार के खिलाफ मटका-फोड़ प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और इसके लिए आम आदमी पार्टी की सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

इस बीच दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर गंभीर आरोप लगाए हैं।उन्होंने कहा है कि दिल्ली में पाइपलाइन काटने की साजिश हो रही है। आतिशी ने दिल्ली पुलिस से दिल्ली में मुख्य वाटर पाइपलाइन को सुरक्षा देने का आग्रह किया। आतिशी ने कहा कि कल साउथ दिल्ली की पाइपलाइन में साजिशन 6 बोल्ट काटे गए और दिल्ली में पानी की परेशानी बढ़ाने के लिए षड्यंत्र हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस षड्यंत्र के कारण साउथ दिल्ली में आज 25 प्रतिशत पानी की कमी हुई है।

हैकिंग के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज, कहा- ईवीएम किसी ओटीपी से अनलॉक नहीं होती

मुंबई। मुंबई पुलिस के शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविंद्र वायकर के रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद एक बार फिर ईवीएम को लेकर घमासान मच गया है। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्षी दल के नेता आमने-सामने आ गए हैं। अब विपक्षी नेताओं के आरोपों पर इलेक्शन कमीशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई देते हुए सभी आरोपों को खारिज कर दिया है और कहा कि ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है। रिटर्निंग ऑफिसर वंदना सूर्यवंशी ने मुंबई में ईवीएम पर मचे घमासान पर सफाई देते हुए कहा कि आज जो खबर आई उस को लेकर कुछ लोगो ने ट्वीट किए। ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है। ईवीएम डिवाइस किसी से कनेक्ट नहीं रहता, अखबार द्वारा पूरी तरह से गलत खबर चलाई गई है। इस मामले में पुलिस की जांच के बाद हम इंटरनल जांच करेंगे कि नहीं यह आगे तय किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि मैंने पेपर के रिपोर्टर को समझाने की कोशिश की थी। आईपीसी की धारा 505 और 499 के तहत उन्हें नोटिस भेजेंगे। गौरव को जो मोबाइल रखने की इजाजत दी गई थी वो उनका खुद का मोबाइल था। पुलिस की जांच के बाद हम इंटरनल जांच करेंगे कि नहीं यह आगे तय किया जाएगा।

नीट को लेकर उबाल... दिल्ली से लेकर राजस्थान तक एनएसयूआई सड़कों पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में नीट यूजी 2024 परीक्षा में हुई धांधली का मामला लगातार जोर पकड़ता जा रहा है। कोटा में भी नीट यूजी परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में रविवार को छात्र संगठन एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के राजस्थान प्रभारी अखिलेश यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे थे, जहां प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हो गई। इस बीच बैरिकेट्स लांघते समय धक्का मुक्की होने पर पुलिस ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को लाठियां भांजकर दूर खदेड़ दिया।

एनएसयूआई राजस्थान प्रभारी यादव का कहना है कि एनएसयूआई नीट परीक्षा में धांधली को लेकर देश भर में धरना प्रदर्शन कर रही है। हमारी मांग हैं कि नीट परीक्षा रद्द की जाए और इसकी सीबीआई जांच कराई जाए। पूरे देश भर में नीट परीक्षा को लेकर बवाल मचा हुआ हैं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कहते हैं कि पेपर लीक नहीं हुआ है। साधारण और मध्यम परिवारों के लोगों के साथ यह बहुत बड़ा कुठाराघात है।

एनटीए के खिलाफ मशाल मार्च निकालने और नीट यूजी की फिर से परीक्षा और सीबीआई जांच की मांग को लेकर एनएसयूआई के सैकड़ो छात्र और कार्यकर्ता दिल्ली में अपने कार्यालयों के बाहर इकट्ठा हुए। एनएसयूआई नेताओं और कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस बल और बैरिकेडिंग लगाई गई थी। मशाल थामे एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने एनटीए, शिक्षा मंत्रालय और मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

चौधरी ने कहा कि यह 24 लाख छात्रों के भविष्य का सवाल है। गुजरात के गोधरा में कई तरह की अनियमितताएं पाई गईं और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। यह सब पीएम मोदी के गुजरात में हुआ। इसके पहले पटना में गिरफ्तारियां हुई थीं।

वहीं दिल्ली में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइशा) ने नीट 2024 के दौरान राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा कथित भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के विरोध में 19 और 20 जून को छात्रों की राष्ट्रीय हड़ताल की घोषणा की है।

आइशा दिल्ली राज्य सचिव नेहा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की मुद्दे पर चुप्पी की आलोचना करते हुए छात्रों और माता-पिता की दुर्दशा बताई, जो राहत की तलाश में हैं।

जेएनयूएसयू अध्यक्ष धनंजय ने एनटीए की निंदा करते हुए नीट 2024 की अनियमितताओं को एक गहरे प्रणालीगत समस्या का लक्षण बताया।

एडब्लूएस जरनेटिव एआई स्टार्टअप के लिए 23 करोड़ डॉलर देगा

नयी दिल्ली। अमेज़न वेब सर्विसेज़ इंक. (एडब्लूएस) ने जनरेटिव एआई स्टार्टअप और ग्लोबल जनरेटिव एआई एक्सेलरेटर के विस्तार के लिए 23 करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता की घोषणा की, जिसका उद्देश्य 80 संस्थापकों एवं इनोवेटरों (जिसमें 20 एशिया-पैसिफिक और जापान (एपीजे) से हैं) को इस क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए अनुकूलित टेक्निकल एवं बिज़नेस प्रोग्रामिंग द्वारा अपनी वृद्धि में तेजी लाने में मदद करना है।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि एडब्लूएस जनरेटिव एआई एक्सेलरेटर के लिए आवेदन शुरू हो चुके हैं और 19 जुलाई तक स्वीकार किए जाएंगे। 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले 10 सप्ताह के ग्लोबल प्रोग्राम के दौरान चयनित जनरेटिव एआई स्टार्टअप के संस्थापकों को मशीन लर्निंग, स्टैक ऑप्टिमाईज़ेशन, और गो-टू-मार्केट स्ट्रेट्जीज़ से संबंधित कौशलों के विकास पर केंद्रित सत्र में चर्चा के लिए आमंत्रित किये जायेंगे।

एडब्लूएस ने एशिया पैसिफिक और जापान (एपीजे) में 120 अरली-स्टेज जनरेटिव एआई स्टार्टअप को सपोर्ट करने के लिए कॉम्प्लिमेंट्री एडब्लूएस जनरेटिव एआई स्पॉटलाईट प्रोग्राम भी लॉन्च किया, जिसमें 40 स्पॉट भारतीय स्टार्टअप के लिए हैं। एडब्लूएस के कंप्यूट, स्टोरेज और डेटाबेस तथा सर्वश्रेष्ठ प्राईस-परफॉर्मेंस एमएल एक्सेलरेटर एडब्लूएस ट्राइनियम और एडब्लूएस इन्फेरेंशिया 2 जैसी एडब्लूएस सेवाओं का लाभ उठाने के लिए 10 लाख डॉलर तक के एडब्लूएस क्रेडिट प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा।

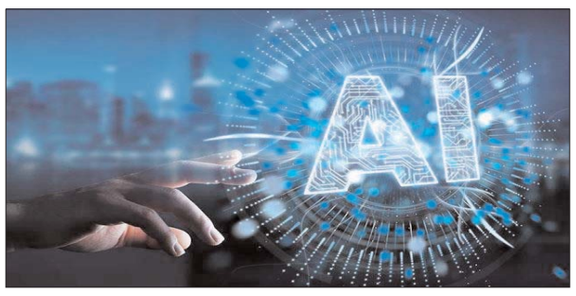

एडब्लूएस ने एशिया पैसिफिक और जापान (एपीजे) में नए एडब्लूएस जनरेटिव एआई स्पॉटलाईट प्रोग्राम के लॉन्च की घोषणा की है। इस चार हफ्ते के एक्सेलरेटर प्रोग्राम का उद्देश्य क्षेत्र में प्री-सीड और सीड-स्टेज के लिए स्टार्टअप को पोषित करना है, जो जनरेटिव एआई एप्लीकेशन का निर्माण कर रहे हैं। यह प्रोग्राम चयनित स्टार्टअप को उद्योग के विशेषज्ञों, संस्थापकों और निवेशकों से बिज़नेस एवं टेक्निकल ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान कर उन्हें एडब्लूएस के जनरेटिव एआई टूल्स एवं सेवाओं का अपना ज्ञान और उनके उपयोग का कौशल बढ़ाने में मदद करेगा।

साथ ही उन्हें क्षेत्र में साथी समूह के सदस्यों से इनोवेटरों के समुदाय का सहयोग मिल सकेगा। समूह के प्रतिभागी एडब्लूएस स्टार्टअप फ्लैगशिप एडब्लूएस एक्टिवेट प्रोग्राम का उपयोग कर सकेंगे और उन्हें 100,000 डॉलर तक के एडब्लूएस क्रेडिट प्राप्त हो सकेंगे।

एपीजे में एडब्लूएस जनरेटिव एआई स्पॉटलाईट प्रोग्राम क्षेत्र के मुख्य शहरों में वेंचर कैपिटल फर्म और संगठनों के साथ गठबंधन में है। भारत में एडब्लूएस इस प्रोग्राम के लिए वेंचर कैपिटल फर्म एक्सेल के साथ सहयोग कर रहा है। पिछले साल एडब्लूएस ने एक्सेल के साथ गठबंधन में एक छः महीने लंबा एक्सेलरेटर प्रोग्राम, एमएल एलिवेट 2023 लॉन्च किया था, जिसने भारत में 35 जनरेटिव एआई स्टार्टअप को सपोर्ट किया।

एपीजे में एडब्लूएस जनरेटिव एआई स्पॉटलाईट प्रोग्राम क्षेत्र में 120 तक प्री-सीड एवं सीड-स्टेज रेडी स्टार्टअप का चयन करेगा, जिसमें से 40 भारत से होंगे।

एडब्लूएस इंडिया के स्टार्टअप इकोसिस्टम प्रमुख अमिताभ नागपाल ने कहा, जनरेटिव एआई व्यवसायों को इनोवेशन में तेजी, उद्योगों में क्रांतिकारी परिवर्तन और आर्थिक वृद्धि लाने की अपार क्षमता प्रदान करता है। अरली स्टेज जनरेटिव एआई स्टार्टअप की लाईफसाईकल के अनूकूलित दो अलग-अलग कॉम्प्लिमेंट्री प्रोग्राम- एडब्लूएस ग्लोबल जनरेटिव एआई एक्सेलरेटर और एपीजे जनरेटिव एआई स्पॉटलाईट चयनित स्टार्टअप को विभिन्न संसाधन जैसे एडब्लूएस क्रेडिट, टूल्स और विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए डिज़ाईन किए गए हैं, ताकि वो अपनी प्रगति में तेजी ला सकेंगे।

हम भारत के स्टार्टअप को इन प्रोग्राम के लिए आवेदन करने के लिए आमंत्रित करते हैं और उन स्टार्टअप को सशक्त बनाने के लिए आशान्वित हैं, जो देश में जनरेटिव एआई आधारित परिवर्तन लेकर आ रहे हैं।

घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 पर सम्मेलन 19 जून 2024 को

नयी दिल्ली। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने शनिवार को बताया कि घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) 2022-23 के विषय में डेटा उपयोगकर्ताओं का एक सम्मेलन बुधवार 19 जून को राजधानी में आयोजित किया जा रहा है।अर्थशास्त्री बिबेक देबराय इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि होंगे।

मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस सम्मेलन में, विभिन्न प्रमुख अवधारणाओं, परिभाषाओं, सर्वे के प्रमुख परिणामों, इकाई स्तर के डेटा, गुणकों का उपयोग और एचसीईएस की डेटा गुणवत्ता का प्रस्तुतिकरण किया जाएगा, जिसके पश्चात प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए जाएंगे।

विज्ञप्ति के अनुसार सम्मेलन में इस संबंधित पहलुओं पर अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक खुली चर्चा आयोजित की जाएगी।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष डॉ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे।

इस मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) वर्ष 1950 में अपनी स्थापना के बाद से नियमित रूप से घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) का आयोजन कर रहा है। एनएसएसओ ने अगस्त 2022 से जुलाई 2023 तक एचसीईएस का आयोजन किया।

यह सर्वेक्षण घरेलू मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों में इसके वितरण को अनुमानित करता है।

एसआईपी के जरिए मासिक निवेश आठ वर्ष में 6.6 गुना बढ़ा : व्हाइटओक कैपिटल

नयी दिल्ली। भारत के पूंजीबाजार में निवेश करने वाले सामान्य निवेशकों में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश का आकर्षण तेजी से फैला है और पिछले आठ वर्ष में एसआईपी के जरिए की गयी मासिक निवेश राशि का स्तर 6.6 गुना बढ़ा है।

व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड की एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, एसेआईपी निवेश प्रणाली की चर्चा अब आम हो गयी है।

रिपोर्ट के अनुसार मई, 2016 में एसआईपी निवेश 3189 करोड़ रुपये था जो मई, 2018 में 7304 करोड़ रुपये, मई, 2022 में 12286 करोड़ और मई 2024 में मासिक 20904 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इन योजनाओं के आकर्षण को लेकर प्रायः उठने वाले सवालों के संदर्भ में विभिन्न अविधि में के लिए एसआईपी निवेश पर प्रतिफल का अध्ययन प्रस्तुत किया गया और रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि निवेशक अपनी एसआईपी निवेश योजनाओं को जितना अधिक समय तक चलाते हैं, प्रतिफल अपेक्षाकृत अधिक होगा। रिपोर्ट का यह भी निष्कर्ष है कि लंबी अवधि के लिए नियमित रूप से छोटी राशि निवेश करने पर प्रतिफल अपेक्षाकृत अधिक होता है।

अध्ययन में इन योजनाओं में निवेश पर तीन वर्ष से लेकर 15 वर्ष की अवधि में सितंबर-1996 से मई 2024 के बीच की अवधि के दौरान बीएसई सेंसेक्स टीआरआई के संदर्भ में एसआईपी निवेश में मासिक रोलिंग रिटर्न (मासिक चलायमान प्रतिफल) तीन वर्ष की अवधि पर में औसतन 12.9 प्रतिशत, पांच वर्ष में 15.2 प्रतिशत, आठ वर्ष के लिए 16.2 प्रतिशत, 12 वर्ष में 14.6 प्रतिशत तथा 15 वर्ष की अवधि के लिए 14.3 प्रतिशत रहा।

इस दौरान जहां छोटी अवधि तीन वर्ष में चलायमान औसत मासिक प्रतिफल अधिकतम 52.4 प्रतिशत के लाभ से लेकर 36.2 प्रतिशत के नुकसान तक रहा है, लेकिन पांच साल में मासिक आवर्ती प्रतिफल का दायर 50 प्रतिशत लाभ से लेकर 10.5 प्रतिशत की हानि के बीच रहा। आठ वर्ष की अवधि में चलायमान मासिक प्रतिफल अधिकतम 40.8 लाभ से लेकर 1.4 प्रतिशत के बीच चढ़ता-उतरता रहा। पंद्रह वर्ष की अविधि के लिए चलायमान मासिक औसत प्रतिफल अधिकतम 18.1 प्रतिशत लाभ से न्यूनतम 7.4 प्रतिशत लाभ के दायरे में रहा।

इस अवधि में एसआई निवेश का प्रतिफल तीन साल के दौरान 84 प्रतिशत समय लाभ में पांच साल में 92 प्रतिशत समय लाभ में आठ वर्ष या उससे अधिक की अवधि में शतप्रतिशत समय औसतन लाभ में रहा।

इसी तरह अध्ययन में यह भी बताया गया है कि एसआईपी निवेश पर तीन वर्ष की अवधि में औसतन 64 प्रतिशत समय, पांच साल में 82 प्रतिशत समय, आठ साल में 94 प्रतिशत समय और 10 साल या उससे अधिक समय में प्रतिफल आठ प्रतिशत से ऊपर रहा।

इसी विश्लेषण में बताया गया है कि तीन वर्ष की अवधि में 51 प्रतिशत समय में मासिक चलायमान औसत प्रतिफल 10 प्रतिशत से ऊपर रहा जबकि पांच से 15 वर्ष के दौरान 73 से प्रतिशत से 97 प्रतिशत समय प्रतिफल 10 प्रतिशत या उससे ऊपर रहा।

इसी तरह तीन वर्ष की अवधि में 51 प्रतिशत समय ऐसा रहा जबकि प्रतिफल 12 प्रतिशत या उससे अधिक लाभ में रहा, जबकि पांच साल से 15 साल के दौरान एसआईपी निवेश पर प्रतिफल 60 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक समय ऐसा रहा जहां एसआईपी निवेश पर प्रतिफल 12 प्रतिशत या उससे अधिक लाभ में रहा।

अध्ययन से पता चलता है कि तीन मार्केट कैप सेगमेंट में से मिड कैप सेगमेंट लंबी अवधि के एसआईपी रूट के जरिए निवेश करने के इच्छुक निवेशकों के लिए एक अच्छा निवेश विकल्प था।

रिपोर्ट में बीएसई सेंसेक्स टीआरआई पर आधारित दीर्घावधि के मासिक एसआईपी निवेश और उसके प्रतिफल के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर दर्शाया गया है कि महीने की किसी तिथि में किए गए एसआईपी निवेश पर प्रतिफल की दर दस साल के दैनिक चलायमान औसत के अनुसार सितंबर 1996 से मई 2024 की अवधि में 15.56 प्रतिशत से 15.63 प्रतिशत के बीच रही।

ब्याज दरों में कटौती पर ग्लोबल केंद्रीय बैंकों के बीच झिझक, सता रही महंगाई की चिंता

विश्व की कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्था वाले देशों के चार केंद्रीय बैंक इस सप्ताह, वैश्विक ब्याज दर में कटौती के चलन में शामिल होंगे या नहीं इस पर अपना निर्णय ले सकते हैं। फेडरल रिजर्व द्वारा इस साल अमेरिकी में मौद्रिक नीतियों में ढील के अनुमानों को कम करने के कुछ दिनों बाद, ब्रिटेन से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक के नीति निर्माता यह संकेत दे सकते हैं कि वे अभी भी अवस्फीति के बारे में इतने आश्वस्त नहीं हैं कि उधार लेने की लागत कम करना शुरू कर सकें। इन नतीजों से पता चलता है कि जून में, शुरुआत में वैश्विक दर में कटौती की एक श्रृंखला शुरू होने की उम्मीद थी, इसके बजाय व्यापक झिझक दिखाई दे सकती है। कनाडा ने 5 जून को ग्रुप ऑफ सेवन में पहला कदम उठाया, लेकिन अगले दिन यूरोपीय सेंट्रल बैंक की उधार दरों में कटौती और उच्च मुद्रास्फीति की भविष्यवाणी ने आगे ढील के लिए सीमित उत्साह दिखाया। बैंक ऑफ इंग्लैंड में, आगामी चुनाव और चल रहे मूल्य दबावों के कारण वे दरें कम करने से पहले अगस्त तक प्रतीक्षा कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया और नॉर्वे, जो इस सप्ताह बैठक कर रहे हैं, भी जल्दी में नहीं हैं, और सर्वेक्षण में शामिल आधे अर्थशास्त्री मानते हैं कि स्विस नेशनल बैंक अपने पड़ोसियों से पहले मार्च में अपनी साहसिक कदम के बाद दूसरी कटौती से बच सकता है।

रक्षा निर्यात लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए एफडीआई को सुव्यवस्थित करने की जरूरत : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। भारत के 5 अरब डॉलर के रक्षा निर्यात लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को सुव्यवस्थित करने और रक्षा अनुसंधान एवं विकास तथा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता बतायी गयी है। एशिया की प्रमुख होमलैंड सुरक्षा और डिफेन्स एक्सपो में से एक अंतर्राष्ट्रीय पुलिस एक्सपो के आयोजक नेक्सजेन एग्जिबिशन ने हाल ही में किये गए सर्वे में एफडीआई को सुव्यवस्थित करने और रक्षा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) एवं विनिर्माण क्षमताएं को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। सर्वे के अनुसार इन क्षेत्रों में तेजी से कार्यवाही कर भारत 2024-25 तक अपने महत्वाकांक्षी 5 अरब डॉलर के रक्षा निर्यात लक्ष्य की ओर मजबूती से बढ़ सकता है । भारत के 15 शहरों में आयोजित इस सर्वेक्षण में 130 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय हथियार, गोला-बारूद और सुरक्षा उपकरण निर्माता, निर्यातक और स्टार्ट-अप समेत अनेक घरेलू कंपनियों ने भाग लिया। इसमें प्रतिभागी कंपनियों ने कई महत्वपूर्ण बिन्दुओ को रेखांकित किया जिनमे उद्योग के लिए तैयार पेशेवरों का एक बड़ा पूल बनाने के लिए मजबूत कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने , सुव्यवस्थित एफडीआई प्रवाह तथा एआई और अन्य भविष्य की प्रौद्योगिकियों के साथ उन्नत प्रौद्योगिकी एकीकरण शामिल हैं।

अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाकर, भारत आंतरिक सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है। इसके अतिरिक्त, सर्वे में खरीद श्रेणियों को बढ़ावा देने को घरेलू रक्षा विनिर्माण क्षेत्र की एक प्रमुख उपलब्धि के रूप में दर्शाया गया है । वर्तमान में, भारत 75 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है, जो वैश्विक रक्षा बाजार में देश की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है।

अंतर्राष्ट्रीय पुलिस एक्सपो तेजी से पुलिस और कानून प्रवर्तन अधिकारी, सुरक्षा एजेंसियां, सरकारी प्रतिनिधि, और पेशेवरों के लिए एशिया का सबसे प्रभावशाली मंच बनता जा रहा है ।

4-5 जुलाई 2024 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय पुलिस एक्सपो में ब्रिटेन, अमरीका , इज़राइल, पोलैंड, क्रोएशिया, संयुक्त अरब अमीरात , जर्मनी, कनाडा, सिंगापुर ब्राज़ील, हांगकांग और ताइवान सहित 25 से अधिक देशों की भागीदारी होगी। ये देश अपने नवीनतम नवाचारों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेंगे, जो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करेंगे।

प्रदर्शनी में भाग लेने वाली कुछ शीर्ष कंपनियों में एमएच सर्विस, स्टॉकर रडार, स्माइटेक, एसीई6 टेक्नोलॉजी, कैनन, कोंडोर, ऑक्सफोर्ड डायनेमिक्स, थर्ड आई टेक्नो सॉल्यूशंस, ईसेक फोर्ट टेक्नोलॉजीज, पेलोरस टेक्नोलॉजीज, काप्री कॉर्प, क्लियरट्रेल, सेलेब्राइट, मैट्रिक्स कॉमसेक, मित्तल कॉइन, एकेएस आईटी सर्विसेज, लाइटमेन, स्पर्श सीसीटीवी, भावी कॉमटेक, पांशुल मल्टीट्रेड, सिस्टूल्स सॉफ्टवेयर, एपीसी टेक्नोलॉजीज,श्याम वीएनएल, डॉक-आईएनजी शामिल है।

शार्ट न्यूज

विदेशी मुद्रा भंडार 4.31 अरब डॉलर बढ़कर 655.82 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से 07 जून को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.31 अरब डॉलर बढ़कर 655.82 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.84 अरब डॉलर बढ़कर के 651.5 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 07 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.8 अरब डॉलर की जबरदस्त बढ़त के साथ 576.34 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि में स्वर्ण भंडार 48.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.98 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 4.3 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 18.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि एक करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 4.34 अरब डॉलर हो गया।

धारावी की जमीन वभागों को होगी हस्तांतरित

मुंबई। करोड़ों रुपये की धारावी झुग्गी-बस्ती पुनर्विकास परियोजना में अडाणी समूह को भूमि का हस्तांतरण शामिल नहीं होगा। सूत्रों ने इस बारे में स्थिति साफ करते हुए कहा है कि परियोजना में भूमि का हस्तांतरण महाराष्ट्र सरकार के विभागों को किया जाएगा और अदाणी समूह सिर्फ एक परियोजना डेवलपर के रूप में मकान बनाएगा जो उन्हीं विभागों को सौंपे जाएंगे। बाद में इन घरों का आवंटन एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी के निवासियों को किया जाएगा। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस मामले में जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। इन आरोपों पर परियोजना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि जमीन के टुकड़े सिर्फ राज्य सरकार के आवास विभाग के धारावी पुनर्विकास परियोजना/स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (डीआरपी/एसआरए) को हस्तांतरित किए जाने हैं। अडाणी समूह ने खुली अंतरराष्ट्रीय बोली में धारावी झुग्गी झोपड़ी पुनर्विकास परियोजना हासिल की थी।

आधी से भी ज्यादा घटी आईटी सेक्टर में फ्रेशर्स की हायरिंग, दो दशकों में सबसे कम हुई भर्ती

भारत के इंजीनियरिंग कॉलेजों में फ्रेशर हायरिंग की स्थिति अभी भी चिंता का कारण बनी हुई है। वित्त वर्ष 24 के डेटा को देखा जाए तो इस दौरान फ्रेशर्स की भर्ती दो दशकों में सबसे कम हुई। HR फर्म Xpheno की रिसर्च में बताया गया है कि पहले हर साल औसतन 1,50,000 - 2,00,000 फ्रेशर्स की हायरिंग होती थी, लेकिन अब वह घटकर 60,000-70,000 पर आ गई है। एचआर एनालिस्ट और कॉलेज प्लेसमेंट ऑफिसों से बिज़नेस स्टैंडर्ड ने बात की तो उन्होंने बताया कि टॉप पांच आईटी कंपनियों की तरफ से होने वाली फ्रेशर्स हायरिंग इस फाइनेंशियल ईयरर में भी सबसे कम रही है। केवल टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने ही यह कहा है कि वह कैंपस से लगभग 40,000 फ्रेशर्स की भर्ती करेगी। टीमलीज एडटेक के फाउंडर और सीईओ शंतनु रूज ने कहा कि एक और समस्या यह है कि छात्र केवल आईटी सर्विस इंडस्ट्री को जॉइन करना चाहते हैं।

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य एवं आईआईपी आंकड़ों पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई । विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मझौली और छोटी कंपनियों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह मजबूती पर रहे घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह वैश्विक आर्थिक परिदृश्य एवं भारत और चीन के जारी होने वाले औद्योगिक उत्पादन आंकड़ों पर नजर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 299.42 अंक अर्थात 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ सप्ताहांत पर ऊंचाई के नये शिखर 76992.77 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 175.45 अंक यानी 0.8 प्रतिशत चढ़कर 23465.60 अंक के नये रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में हुई दमदार लिवाली ने बाजार को सम्भाले रखा। मिडकैप 1947.32 अंक अर्थात 4.4 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 46058.76 अंक हो गया। इसी तरह स्मॉलकैप

2468.44 अंक यानी 5.06 प्रतिशत की छलांग लगाकर 51199.99 अंक के सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर बंद हुआ।

विश्लेषकों के अनुसार, बीते सप्ताह घरेलू बाजार में मामूली बढ़त रही। हालांकि नए संकेतों के अभाव के कारण इसमें अस्थायी गिरावट आई। फिर भी, विकास-आधारित शेयरों के प्रति धारणा फिर से बेहतर होने की बदौलत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

इस बीच अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिज़र्व की एफओएमसी बैठक का परिणाम सकारात्मक रहा। बाजार की उम्मीदें कैलेंडर वर्ष 2024 में ब्याज दर में दो बार की कटौती से बदलकर केवल एक रह गई हैं।

हालांकि, अमेरिकी मुद्रास्फीति की स्थिरता से कुछ राहत मिली। साथ ही घरेलू खुदरा महंगाई में धीरे-धीरे गिरावट का संकेत देता है।

वहीं, सामान्य मानसून की उम्मीद को देखते हुए मुद्रास्फीति लक्ष्य की ओर अंतिम कदम अभी भी कठिन बना हुआ है लेकिन निवेशकों को उम्मीद है कि रिजर्व बैंक ब्याज दरों को आसान बनाने के करीब है।

पिछले सप्ताह आईटी क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन के बाद दिग्गज शेयरों और एफएमसीजी में बिकवाली का दबाव रहा।

हालांकि इस सप्ताह अन्य सभी क्षेत्रों ने सकारात्मक प्रदर्शन बनाए रखा, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी व्यय घोषणाओं के आधार पर रियल एस्टेट ने बेहतर प्रदर्शन किया।

वित्तीय निवेश सलाह देने वाली कंपनी जीओजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने बताया कि अगले सप्ताह में भारत और चीन से औद्योगिक उत्पादन तथा यूरोजोन की महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले है। अगले सप्ताह इन आंकड़ों पर बाजार की नजर रहेगी।

बीते सप्ताह घरेलू बाजार में दो तीन बढ़त जबकि दो दिन गिरावट रही। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आईटी और टेक समेत छह समूहों में हुई बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 203.28 अंक की गिरावट के साथ 76,490.08 अंक और निफ्टी 30.95 अंक फिसलकर 23,259.20 अंक पर बंद हुआ। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर रिलायंस, एक्सिस बैंक, आईसीआईआई बैंक और इंफ़ोसिस समेत चौदह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से मंगलवार को सेंसेक्स 33.49 अंक फिसलकर 76,456.59 अंक रह गया। वहीं, निफ्टी 5.65 अंक मामूली बढ़त के साथ 23,264.85 अंक पर रहा।

अमेरिका में महंगाई के आंकड़े आने से पहले विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, इंडस्ट्रियल्स, यूटिलिटीज, कैपिटल गुड्स और पावर समेत अठारह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 149.98 अंक उछलकर 76,606.57 अंक और निफ्टी 58.10 अंक चढ़कर 23,322.95 अंक पर बंद हुआ।

पढाई एआई ने यूपीएससी 2024 की प्रारंभिक परीक्षा के तुरंत बाद सात मिनट में हल किया प्रश्न पत्र

नयी दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) छात्रों की ओर से विकसित पढाई एआई टूल ने रविवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) 2024 के प्रारंभिक परीक्षा होने के बाद 100 प्रश्नों के प्रश्न पत्र को महज सात मिनट के भीतर हल किया और 170 से अधिक हासिल कर गूगल और ओपनएआई को पीछे छोड़ दिया।

यूपीएससी 2024 के लिए आज प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा के पहले सत्र के बाद पढाई एआई सिस्टम ने महज सात मिनट से कम समय में प्रश्न पत्र हल कर लिया। पढाई एआई ने 100 प्रश्नों को हल कर 200 में से 170 से अधिक अंक हासिल किए, जबकि आमतौर पर क्वालीफाइंग मार्क्स 100 से कम होते हैं।

यह कार्यक्रम राजधानी के द ललित में आज शिक्षा, यूपीएससी कोचिंग समुदाय और मीडिया कर्मियों के विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य पढाई एआई की विशेषताओं को शक्ति देने वाला एआई न केवल एक मददगार शिक्षक है, बल्कि यह 24 घंटे सातों दिन या फिर कहिये 365 दिन उपलब्ध है। साथ ही कमजोर और गरीब अभ्यर्थी जो बड़े कोचिंग संस्थानों में फीस नहीं दे सकते उनके लिए पढाईएआई सबसे सुलभ माध्यम है और इससे यूपीएससी की पढ़ाई कर सकते हैं।

पढाईएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. कार्तिकेय मंगलम हैं। उन्होंने यूसी बर्कले से एआई में पीएचडी की है, जहां उन्हें दुनिया के टॉप 10 एआई रिसर्चर में से एक, प्रो. जितेंद्र मलिक ने गाइड किया था। इससे पहले, वे मेटा एआई और गूगल एआई में विज़िटिंग रिसर्चर थे। उन्होंने आईआईटी कानपुर से टॉप नंबरों से ग्रेजुएशन किया है।उनके साथ पढाई की संस्थापक टीम में कुछ चुनिंदा लोग हैं, जो दुनिया के मशहूर संस्थानों जैसे यूसी बर्कले, स्टैनफोर्ड, ईपीएफएल, आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी कानपुर से आए हैं। ये लोग एआई, एंड्रॉइड इंजीनियरिंग, प्रोडक्ट और ग्रोथ के क्षेत्र में काम करते हैं।

डॉ. मंगलम ने कहा, यह पिछले 10 सालों के यूपीएससी एग्ज़ाम में सबसे ज्यादा अंक हैं।

देश का कोयला आयात अप्रैल में 13 प्रतिशत बढ़कर 2.61 करोड़ टन पर पहुंचा

देश का कोयला आयात अप्रैल, 2024 में 13.2 प्रतिशत बढ़कर 2.61 करोड़ टन पर पहुंच गया है। गर्मियों की शुरुआत के साथ खरीदारों द्वारा नए सौदे करने से कोयला आयात बढ़ा है। बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक साल पहले समान महीने में कोयला आयात 2.30 करोड़ टन रहा था। आयात में यह बढ़ोतरी ऐसे समय हुई है जबकि कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और आयात में कमी लानी चाहिए।

विदेशी सहायता पर निर्भरता खत्म करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी सहायता और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के राहत पैकेज पर पाकिस्तान की निर्भरता समाप्त करने और आर्थिक गतिविधियों में पड़ोसी देशों से आगे निकलने की प्रतिबद्धता जताई।

उन्होंने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के खर्चों को कम करने और अर्थव्यवस्था को फिर खड़ा करने के लिए कई साहसिक सुधारों की रूपरेखा पेश की है।

शहबाज शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि राहत पैकेज के लिए आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी होगा। शरीफ ने अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए ये बात कही। पाकिस्तान सरकार वर्तमान में आईएमएफ के साथ छह से आठ अरब डॉलर के कर्ज के लिए बातचीत कर रही है। पाकिस्तान धीमी गति से चल रही अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहा है। शरीफ ने जोर देकर कहा कि हर पैसा देश और उसके लोगों की प्रगति पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने खर्च कम करने और पांच साल के भीतर युवाओं को शिक्षा और कौशल प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि इंशाअल्लाह, यह पाकिस्तान के इतिहास में आईएमएफ का आखिरी प्रोग्राम होगा।

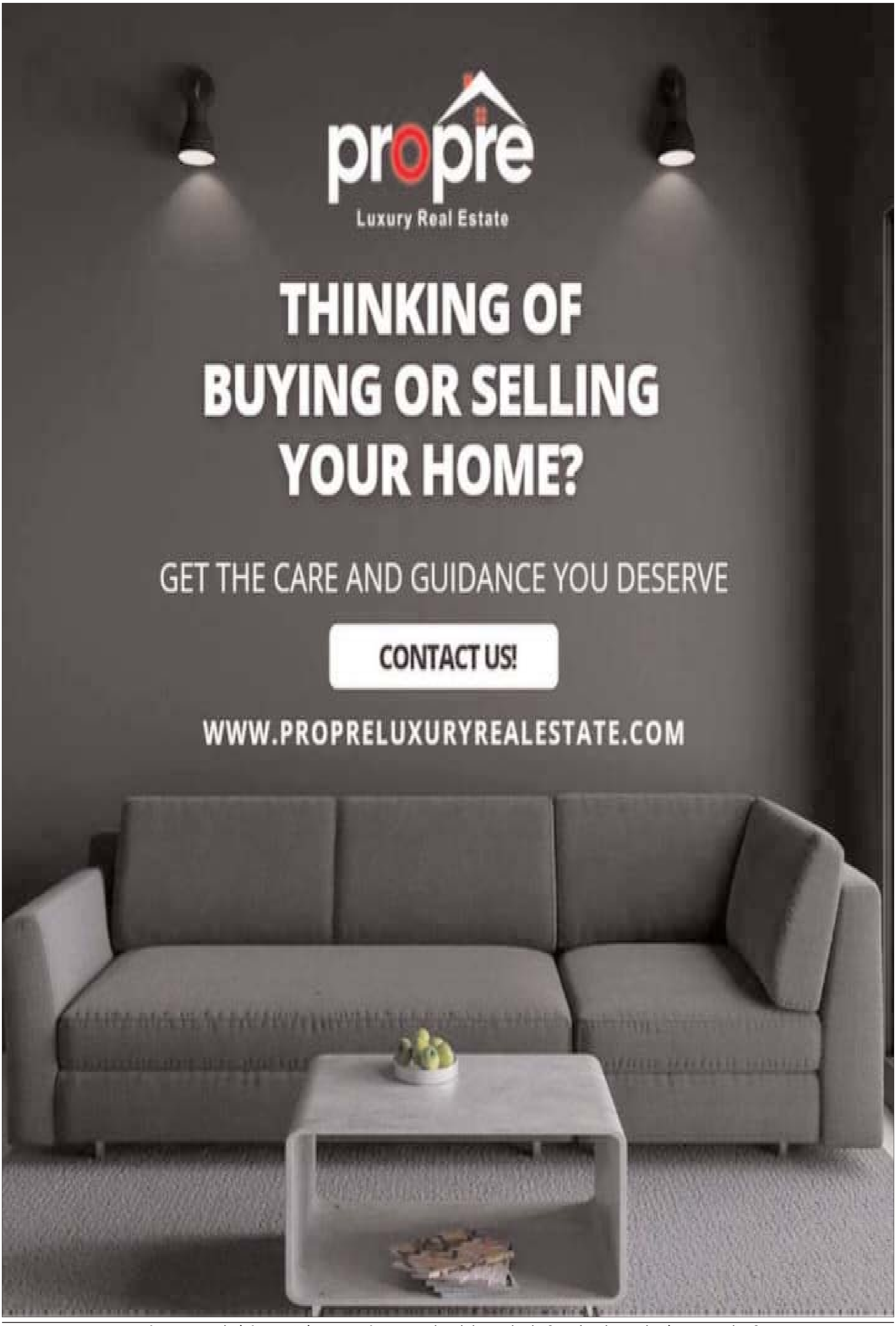

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in